प्रेरणास्रोत पूज्यनीय राजनलाल गौतम जी

यूनिक समय

डीएवीपी द्वारा मान्यता प्राप्त
डाक पंजीकृत संख्या मथुरा 071/2026–28

वर्ष-4 | अंक-81 | सांध्य दैनिक | मथुरा, सोमवार, 18 मई 2026 | पेज-12 | 5 रुपया | www.facebook.com/uniquesamay | X.com/Theuniquesamay | www.linkedin.com/in/uniquesamay

INS ACCREDITED
यूनिकॉम एडवरटाइजिंग
unicomadvertising.com

Sweety BY MR GROUP Presents
Unique Samay Update
uniquesamay.com

कॉलेज गेट से युवती का फिल्मी स्टाइल अपहरण

दिनदहाड़े कार सवार बदमाशों की वारदात से दहला आगरा

कॉलेज के बाहर चीखती रही युवती

सफेद कार में युवती को उठाकर हुए फरार

सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही पुलिस टीम

यूनिक समय, आगरा। थाना रकाबगंज क्षेत्र में सोमवार दोपहर उस समय सनसनी फैल गई, जब बैकुंठी देवी कन्या महाविद्यालय के बाहर से कार सवार कुछ लोग एक युवती को जबरन उठाकर ले गए। दिनदहाड़े हुई इस घटना से कॉलेज के आसपास अफरा–तफरी मच गई और मौके पर मौजूद लोग दहशत में आ गए। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार दोपहर करीब एक बजे कॉलेज के सामने एक सफेद रंग की कार आकर रुकी। कार में कुछ युवक और एक महिला भी सवार थी। बताया जा रहा है कि कार से उतरे लोगों ने अचानक एक युवती को पकड़ लिया और विरोध करने के बावजूद उसे जबरन गाड़ी में डाल दिया। इसके बाद आरोपी तेज रफ्तार में कार लेकर फरार हो गए। पूरी घटना इतनी तेजी से हुई कि लोग कुछ समझ पाते, उससे पहले कार आंखों से ओझल हो चुकी थी।

घटना के बाद आसपास मौजूद लोगों ने तुरंत पुलिस को सूचना दी। अपहरण की खबर मिलते ही थाना रकाबगंज पुलिस मौके पर पहुंच गई और इलाके की घेराबंदी कर जांच शुरू कर दी। पुलिस ने कार का नंबर ट्रेस कर वाहन मालिक की जानकारी जुटानी शुरू कर दी है। इसके साथ ही आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है, ताकि आरोपियों की पहचान हो सके।

थाना प्रभारी योगेश कुमार ने बताया कि फिलहाल युवती की पहचान स्पष्ट नहीं हो सकी है। पुलिस हर पहलू से मामले की जांच कर रही है और जल्द ही आरोपियों तक पहुंचने का दावा कर रही है। दिनदहाड़े कॉलेज के बाहर हुई इस वारदात ने शहर की सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

दरोगा ने चौकी के सामने स्कूटी सवार को पीटा

कारण पूछने पर दरोगा ने चौकी ले जाकर की पिटाई

वीडियो बनाने के शक में दरोगा ने की थी मारपीट

यूनिक समय मथुरा। बांके बिहारी चौकी के सामने स्कूटी से गुजरते एक युवक को जेब से फोन निकालते देख दरोगा ने उसे पीट दिया। युवक ने पीटने की वजह जानने का प्रयास किया तो दरोगा चौकी खींच कर ले गया और वहां मारपीट की। घटना का वीडियो वायरल हो गया। सीओ सदर ने जांच करा कर इस मामले में कार्रवाई कराने की बात कही है। बांके बिहारी पुलिस चौकी के सामने से जाते एक स्कूटी सवार को वहां तैनात दरोगा सुबोध कुमार ने जोरदार थप्पड़ मार दिया। उसे स्कूटी से खींच लिया, जिससे वह गिरते गिरते बच गया। दरोगा द्वारा सड़क पर की गई इस हरकत को देख वहां से गुजरते लोगों ने भी देखा, मगर किसी की दरोगा से पूछने की हिम्मत नहीं हुई। युवक आशीष ने जब मारपीट किए जाने का कारण पूछा तो दरोगा आग बबूला हो गया। उसे खींच कर चौकी ले गया और वहां जाकर मारपीट कर दी। युवक के साथ मारपीट करने का कारण कुछ और ही निकला। बताया गया कि दरोगा चोरी के मामले में किसी नाबालिग को पकड़ कर चौकी ला रहे थे। इसी बीच स्कूटी सवार युवक आशीष के मोबाइल पर किसी का फोन आ गया। आशीष फोन निकाल रहा था। दरोगा ने समझा कि युवक उसकी वीडियो बना रहा है। इसके चलते दरोगा ने आशीष के साथ इस तरह मारपीट कर दी।

पार्कों, दफ्तरों और घरों में गूंजती है 'रेडियो ताइसो' की धुन

पूरा जापान एक साथ करता है सेहतमंद कसरत

100 साल पुरानी सुबह की सेहतमंद परंपरा

सुबह 6:30 बजे शुरू होती कसरत

सिर्फ 10 मिनट में पूरी होती हल्की एक्सरसाइज

यूनिक समय, नई दिल्ली। जापान में सुबह की शुरुआत सिर्फ सूरज की रोशनी से नहीं, बल्कि एक खास सामूहिक कसरत की धुन से होती है। राजधानी टोक्यो के पार्कों, दफ्तरों और यहां तक कि घरों में भी जैसे ही सुबह 6:30 बजते हैं, रेडियो पर मधुर संगीत और निर्देशों की आवाज गूंजने लगती है। इसके साथ ही लोग एक साथ शरीर को सक्रिय करने वाली हल्की–फुल्की कसरत शुरू कर देते हैं। इस परंपरा को 'रेडियो ताइसो' कहा जाता है, जो लगभग 100 वर्षों से जापान की जीवनशैली का हिस्सा बनी हुई है।

इस अभ्यास की शुरुआत वर्ष 1928 में हुई थी, जिसका उद्देश्य लोगों को रोजाना सरल व्यायाम के लिए प्रेरित करना था। यह पूरा सत्र केवल 10 मिनट का होता है, जिसमें शरीर को स्ट्रेच करना, हाथ–पैरों को हिलाना और हल्के व्यायाम शामिल होते हैं। खास बात यह है कि इसे बच्चे, बुजुर्ग, ऑफिस कर्मचारी और यहां तक कि व्हीलचेयर पर बैठे लोग भी आसानी से कर सकते हैं। इसके लिए किसी विशेष उपकरण की जरूरत नहीं होती, बस संगीत और थोड़ा अनुशासन काफी है। टोक्यो के पार्कों में सुबह–सुबह सैकड़ों लोग एक साथ इस कसरत में शामिल होते हैं। 88 वर्षीय मीको कोबायाशी जैसी कई बुजुर्ग महिलाएं रोजाना इसमें भाग लेती हैं और इसे अपनी दिनचर्या का अहम हिस्सा मानती हैं। उनका कहना है कि इससे शरीर हल्का महसूस होता है और दिन की शुरुआत सकारात्मक ऊर्जा के साथ होती है। वहीं, 83 वर्षीय केंजी इगुची जैसे लोग इसे सिर्फ व्यायाम नहीं बल्कि सामाजिक जुड़ाव का माध्यम भी मानते हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि 'रेडियो ताइसो' जापान में बुजुर्गों को अकेलेपन और मानसिक तनाव से दूर रखने में अहम भूमिका निभाता है। इसी जीवनशैली का असर है कि जापान में 100 वर्ष से अधिक उम्र के लोगों की संख्या दुनिया में सबसे ज्यादा मानी जाती है।

हालांकि, द्वितीय विश्व युद्ध के बाद इस पर कुछ समय के लिए प्रतिबंध भी लगाया गया था, लेकिन 1951 में इसे फिर से शुरू किया गया और तब से यह परंपरा बिना रुके जारी है। आज यह केवल व्यायाम नहीं, बल्कि जापानी समाज की सेहतमंद जीवनशैली और अनुशासन का प्रतीक बन चुका है।

हवा पर अब और सख्त होगी निगरानी व्यवस्था

सिटी रिपोर्टर

मथुरा में वायु गुणवत्ता निगरानी नेटवर्क का होगा विस्तार

सन सिटी अनंतम में बनेगा आधुनिक वायु गुणवत्ता निगरानी केंद्र

हवा पर अब रहेगी पैनी वैज्ञानिक नजर

यूनिक समय, मथुरा। जनपद में बढ़ते शहरीकरण और वाहनों के दबाव के बीच वायु गुणवत्ता की निगरानी व्यवस्था को और मजबूत किया जा रहा है। केएम मेडिकल कॉलेज में दूसरा वायु गुणवत्ता निगरानी केंद्र स्थापित किए जाने के बाद अब वृन्दावन क्षेत्र में भी नया एयर मॉनिटरिंग स्टेशन लगाने की तैयारी तेज हो गई है। उत्तर प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के क्षेत्राधिकारी पंकज यादव ने बताया कि वृन्दावन के सन सिटी अनंतम क्षेत्र में नया वायु निगरानी केंद्र स्थापित किया जाएगा। इसके लिए भूमि सत्यापन (लैंड वेरिफिकेशन) की प्रक्रिया पूरी हो चुकी है, अब तकनीकी टीम प्रस्तावित स्थल का सर्वे करेगी। परियोजना के लिए बजट भी स्वीकृत और आवंटित किया जा चुका है।

उन्होंने बताया कि यह नया केंद्र वृन्दावन और आसपास के क्षेत्रों की वायु गुणवत्ता की लगातार निगरानी करेगा। इससे प्रदूषण के स्तर का वैज्ञानिक आंकलन करने, प्रदूषण के स्त्रोतों की पहचान करने और समय रहते नियंत्रणात्मक कदम उठाने में मदद मिलेगी।

गौरतलब है कि हाल ही में मथुरा में दूसरा वायु गुणवत्ता निगरानी केंद्र केएम मेडिकल कॉलेज में स्थापित किया गया है। इससे पहले शहर में केवल एक मॉनिटरिंग केंद्र था, जिससे पूरे जिले की वायु गुणवत्ता का सटीक आंकलन प्रभावित होता था। नए केंद्रों के स्थापित होने से पीएम 2.5, पीएम 10, सल्फर डाइऑक्साइड, नाइट्रोजन ऑक्साइड सहित अन्य प्रदूषक तत्वों की रियल टाइम मॉनिटरिंग संभव हो सकेगी। प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड का मानना है कि इन केंद्रों से प्राप्त आंकड़े प्रशासन, स्वास्थ्य विभाग और पर्यावरण संरक्षण एजेंसियों के लिए नीति निर्माण में उपयोगी साबित होंगे।

मथुरा-बरेली हाइवे की दुर्दशा पर सांसद नाराज

अधिकारियों को लगाई फटकार

सोमवार को कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित जिला विकास समन्वय एवं निगरानी समिति की बैठक में अधिकारियों को निर्देश देतीं सांसद हेमा मालिनी। साथ हैं विधायक पूरन प्रकाश, महापौर विनोद अग्रवाल, डीएम सीपी सिंह, नगर आयुक्त जगप्रवेश।

जिला विकास समन्वय एवं निगरानी समिति की बैठक

बिजली, सड़क और नहरों में पानी की समस्या पर मंथन

यूनिक समय, मथुरा । सोमवार को कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित जिला विकास समन्वय एवं निगरानी समिति की बैठक में बिजली, सड़कों की बदहाली से जुड़ी समस्या हावी छाई रहीं। सांसद हेमामालिनी ने मथुरा-बरेली हाईवे की दुर्दशा पर नाराजगी जताते हुए संबंधित विभागों से अतिक्रमण पर जोरदारी से काम करने को कहा। अधूरे विकास कामों को पूरा करने पर भी जनप्रतिनिधियों का जोर रहा।

सांसद हेमामालिनी की अध्यक्षता और राज्यसभा सांसद तेजवीर सिंह की सह अध्यक्षता में करीब आठ महीने बाद आयोजित जिला विकास समन्वय एवं निगरानी समिति की बैठक में नहरों में पानी की समस्या का प्रकरण छाया रहा। जनप्रतिनिधियों ने बिजली समस्या और सड़कों की बदहाली का प्रकरण भी उठाया। इस दौरान सभी जनप्रतिनिधियों ने विकास कार्यक्रम और योजनाओं से संबंधित प्रगति की समीक्षा की। सांसद हेमामालिनी ने कहा कि मथुरा- बरेली हाइवे को कई साल की मेहनत से करीब चार हजार करोड़ रुपये की लागत से तैयार कराया है, यह मार्ग बड़ा अच्छा बना है, लेकिन इस पर तेजी से नहीं चला जा रहा। उन्होंने कहा कि मथुरा-बरेली हाइवे के किनारे मकान बन गए हैं, दुकान खोल ली गई हैं। इस समस्या को सभी संबंधित विभाग मिलकर समाप्त कराएं, जिससे एक अच्छा मार्ग अच्छा बना रहे। सांसद ने कहा कि मथुरा में काफी समस्याएं हैं, कुछ समस्याएं दूर हुई हैं, कुछ का निदान अभी बाकी है, ऐसे में सभी अधिकारी समस्याओं के निदान को काम करें। अतिक्रमण की समस्या पर नाराज सांसद ने अधिकारियों से कहा कि वह इसे दूर कराएं, जिससे लोगों को राहत मिल सकें।

बैठक में मौजूद जनप्रतिनिधियों ने नहरों में पानी की कमी की बात कहीं, इस पर सांसद तेजवीर सिंह ने संबंधित अधिकारियों से किसानों से जुड़ी इस समस्या की ओर ध्यान देकर निदान करने को कहा। बैठक में बिजली समस्या का मुद्दा भी छाया। मौजूद विधायकों ने इस समस्या को जनता से जुड़ी बताते हुए निदान करने की मांग रखी। बैठक में सभी विभागों की योजनाओं और लाभार्थीपरक योजनाओं पर बिंदुवार चर्चा हुई। इस दौरान खराब प्रगति पर कुछ विभागों की खिंचाई भी की गई।

बैठक में मेयर विनोद अग्रवाल, विधायक पूरन प्रकाश, राजेश चौधरी, मेघश्याम सिंह के अलावा अन्य जनप्रतिनिधि और डीएम सीपी सिंह, सीडीओ डा. पूजा गुप्ता, एडीएम वित्त डा. पंकज कुमार के अलावा संबंधित बीडीओ आदि मौजूद रहे।

सांसद ने समूह के बनाए खाने की करी प्रशंसा

बैठक समापन से पहले सभी जनप्रतिनिधि और अधिकारियों को समूह की महिलाओं की ओर से तैयार किया भोजन परोसा गया। बैठक के बाद सांसद हेमामालिनी ने बल्देव ब्लाक के यमुना महिला स्वयं सहायता समूह की महिलाओं की ओर से पैक बंद थाली में परोसे गए भोजन की प्रशंसा करते हुए आगामी सरकारी बैठक में इसी समूह की ओर से बनाए गए भोजन को परोसने की इच्छा जताई।

जैंत फ्लाईओवर की मंजूरी से ग्रामीणों में खुशी की लहर

यूनिक समय, मथुरा। जैंत फ्लाई ओवर की मंजूरी पर स्थानीय लोगो ने भारी खुशी का इजहार किया है। सांसद हेमा मालिनी ने बताया कि वृंदावन के मुख्य प्रवेश द्वार छटीकरा पर लगातार ट्रैफिक जाम रहता है। फ्लाईओवर निर्माण के कारण सर्विस रोड संकरी हो गई है, जिससे आसपास के गांवों का पानी मुख्य सड़क पर आने से जलभराव और गंदगी बढ़ गई है। उन्होंने इस संबंध में केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी से बात की है और स्थायी समाधान की उम्मीद जताई। इस क्रम में जैंत के फ्लाइओवर की मंजूरी भी मिल गई है। इससे इलाके लोगों को भारी सहूलियत होगी।

ऑटो सफर कर सांसद ने दिया हरित संदेश

सोमवार को कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित जिला विकास समन्वय एवं निगरानी समिति की बैठक के बाद विधायक पूरन प्रकाश के साथ आटो में बैठीं सांसद हेमा मालिनी।

विधायक आए आटो से, सांसद भी बैंठीं

यूनिक समय, मथुरा । जिला विकास समन्वय एवं निगरानी समिति की बैठक में उस समय दिलचस्प नजारा देखने को मिला, जब सभी जनप्रतिनिधि और अधिकारी लग्जरी वाहनों से पहुंचे, लेकिन बल्देव विधायक पूरन प्रकाश ऑटो में सवार होकर कलेक्ट्रेट पहुंचे। विधायक की यह सादगी और अलग अंदाज चर्चा का विषय बन गया।

बैठक समाप्त होने के बाद विधायक पूरन प्रकाश ने सांसद हेमा मालिनी को भी अपने साथ ऑटो में बैठाया। सांसद ने ऑटो की सवारी करते हुए लोगों को पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि सभी को पेट्रोल और डीजल वाहनों का उपयोग कम करना चाहिए तथा बैटरी और सीएनजी चलित वाहनों को प्राथमिकता देनी चाहिए। इससे प्रदूषण कम होगा और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के स्वच्छ एवं हरित भारत के संकल्प को मजबूती मिलेगी। इस दौरान राज्यसभा सांसद तेजवीर सिंह ने भी विधायक पूरन प्रकाश के साथ कुछ दूरी तक ऑटो में सफर किया। कलेक्ट्रेट परिसर में यह अनोखा दृश्य लोगों के बीच आकर्षण का केंद्र बना रहा और जनप्रतिनिधियों की सादगी की खूब चर्चा हुई।

दुर्घटना में युवक की मौत

यूनिक समय, शेरगढ़। थाना क्षेत्र के बढ़ा गांव के युवा मजदूर की सड़क हादसे में मौत हो गई। उसकी बकरा ईद के महीने में शादी होनी थी। युवक की मौत से घर की खुशियों का माहौल गमगीन माहौल में बदल गया। गांव बढ़ा निवासी युवक साबिर की बकराईद के महीने में शादी होनी थी। घर पर शादी की तैयारियां चल रही थी। साबिर भट्टे पर मजदूरी करता था। बताया गया कि वह बीती रात रात को घर से खाना लेकर भट्टे पर जा रहा था। रास्ते में किसी वाहन ने उसे जोरदार टक्कर मार दी, जिससे उसकी मौत हो गई। वहां से निकल रहे गश्ती पुलिस दल ने दुर्घटना में मरे युवक की तलाशी ली तो उसके पास से मिले आधार कार्ड के नंबर से परिवार के लोगों को इस घटना की सूचना दी। पुलिस ने शव का पंचनामा करने के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

तापमान / मौसम
44 डिग्री सेल्सियस अधिकतम
31 डिग्री सेल्सियस न्यूनतम

सोना-चांदी भाव
सोना
24 कैरेट 1,57,080
22 कैरेट 1,44,000
(रेट प्रति 10 ग्राम में, जीएसटी समेत)
चांदी
2,71,000 प्रति किलो

सम्राट अशोक, ज्योतिबा फुले और सावित्रीबाई फुले के पोस्टर फाड़े

यूनिक समय, गोवर्धन। कस्बा में चक्रवर्ती सम्राट अशोक, महात्मा ज्योतिबा फुले और माता सावित्रीबाई फुले के पोस्टर फाड़ने का मामला सामने आने के बाद तनाव का माहौल बन गया है। घटना के बाद सैनी समाज के लोगों में आक्रोश व्याप्त है।

समाज के लोगों ने बताया कि बीती रात सौंख तिराहे पर लगाए गए महान विभूतियों के पोस्टरों को कुछ असामाजिक तत्वों ने फाड़ दिया। सुबह जब स्थानीय लोगों की नजर फटे पोस्टरों पर पड़ी तो समाज के लोग मौके पर एकत्रित हो गए और घटना को लेकर नाराजगी जताई।

सैनी समाज में आक्रोश

पोस्टर फाडने की घटना का एक वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। समाज के लोगों ने आरोपियों के खिलाफ थाने जाकर कार्रवाई की मांग की। इस मौके पर प्रेम सिंह सैनी,विष्णु सैनी,भरत सिंह सैनी, देवा सैनी और सतीश सैनी सहित समाज के अन्य लोग मौजूद रहे।

यूनिक समय
स्वामी पवन गौतम के लिए राजकुमार गौतम द्वारा दैनिक यूनिक समय, 6 शंकर विहार, कृष्णा नगर मथुरा 281004 से प्रकाशित एवं बालाजी ऑफसेट प्रिंटिंग प्रेस कृष्णा नगर, मथुरा से मुद्रित।
कार्यालयः- यूनिक बिल्डिंग, 289-290 डायबिल नगर, कृष्णा नगर चौक, मथुरा।
संपादक-पवन गौतम
फोन नंबर-0565-2420150,
मो. 9837155888
E-mail : uniquesamaynews@gmail.com
website : uniquesamay.com
RNI-UPHIN/2023/85053
DAVP-: 134220
डाक पंजीकृत संख्या मथुरा 071/2026-28
सभी विवादों का न्यायालय स्थान मथुरा होगा।

मथुरा में 21 को 13 केंद्रों पर होगी लेखपाल परीक्षा

5640 अभ्यर्थी देंगे लेखपाल परीक्षा, प्रशासन ने कसी कमर

सिटी रिपोर्टर

यूनिक समय, मथुरा। उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग की लेखपाल मुख्य परीक्षा को लेकर प्रशासन अलर्ट मोड में आ गया है। 21 मई को सुबह 10 बजे से दोपहर 12 बजे तक होने वाली परीक्षा के लिए जिले में 13 परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं, जहां 5640 अभ्यर्थी परीक्षा देंगे। परीक्षा को नकलविहीन, शांतिपूर्ण और पारदर्शी ढंग से कराने के लिए जिला प्रशासन ने व्यापक सुरक्षा और निगरानी व्यवस्था लागू कर दी है।

आयोग द्वारा लेखपाल मुख्य परीक्षा के प्रवेश पत्र जारी कर दिए गए हैं। अभ्यर्थी आयोग की आधिकारिक वेबसाइट और अधिकृत मोबाइल ऐप के माध्यम से अपना प्रवेश पत्र डाउनलोड कर सकते हैं। आयोग ने स्पष्ट किया है कि केवल वही अभ्यर्थी प्रवेश पत्र डाउनलोड कर सकेंगे, जिन्होंने निर्धारित परीक्षा शुल्क जमा किया है। वैध प्रवेश पत्र के बिना परीक्षा केंद्र में प्रवेश नहीं मिलेगा।

कलेक्ट्रेट कंट्रोल रूम से होगी हर केंद्र की निगरानी

सभी परीक्षा केंद्रों पर स्टेटिक और सेक्टर मजिस्ट्रेट तैनात

डीएम सीपी सिंह के आदेशानुसार प्रत्येक परीक्षा केंद्र पर स्टेटिक और सेक्टर मजिस्ट्रेट तैनात किए गए हैं। कलेक्ट्रेट में सुबह 6 बजे से कंट्रोल रूम सक्रिय रहेगा और पूरे परीक्षा तंत्र की निगरानी वहीं से होगी। जिला विद्यालय निरीक्षक को नियंत्रण कक्ष प्रभारी बनाया गया है।प्रशासन ने परीक्षा केंद्रों के आसपास फोटो स्टेट और साइबर कैफे दोपहर 1 बजे तक बंद रखने के निर्देश दिए हैं। प्रश्नपत्रों और परीक्षा सामग्री की गोपनीयता बनाए रखने के लिए सीलबंद पैकेटों की निगरानी, पुलिस सुरक्षा और विशेष प्रोटोकॉल लागू किए गए हैं। रेलवे स्टेशन, बस स्टैंड और प्रमुख मार्गों पर अतिरिक्त भीड़ को देखते हुए ट्रैफिक और सुरक्षा व्यवस्था मजबूत की गई है। स्वास्थ्य विभाग को परीक्षा केंद्रों के पास एंबुलेंस और प्राथमिक उपचार की व्यवस्था तय करने के निर्देश दिए गए हैं। आयोग और प्रशासन ने अभ्यर्थियों से समय से पहले परीक्षा केंद्र पहुंचने, वैध प्रवेश पत्र और फोटो पहचान पत्र साथ रखने, प्रवेश पत्र में अंकित सभी निर्देशों का सख्ती से पालन करने की अपील की है।

मथुरा के परीक्षा केंद्र

चम्पा अग्रवाल इंटर कॉलेज भरतपुर गेट, डीएवी इंटर कॉलेज मसानी तिराहा, जवाहर विद्यालय इंटर कॉलेज थाना गोविंद नगर के पास, किशोरी रमण इंटर कॉलेज भरतपुर गेट जंक्शन रोड, किशोरी रमण गर्ल्स इंटर कॉलेज भैंस बहोरा कोतवाली रोड, लक्ष्मण प्रसाद चतुर्वेदी आर्य कन्या इंटर कॉलेज आर्य समाज रोड, महाराजा अग्रसेन गर्ल्स इंटर कॉलेज गांधी पार्क डोरी बाजार, प्रेम देवी अग्रवाल गर्ल्स इंटर कॉलेज न्यू बस स्टैंड, सेठ बी.एन. पोद्दार इंटर कॉलेज रेलवे कैंट स्टेशन के सामने, श्री गुरु कार्ष्णि इंटर कॉलेज रमणरेती मार्ग महावन, श्री चमेली देवी खंडेलवाल गर्ल्स इंटर कॉलेज वृंदावन गेट, सुभाष इंटर कॉलेज ध्रुव घाट जनरलगंज, वीडीपी राजकीय इंटर कॉलेज नगर निगम कार्यालय के पास जनरलगंज।

गौरी गोपाल आश्रम के सुरक्षा गार्ड पर जानलेवा हमला

मोबाइल चोरी के शक में कमरे में बंद कर पीटा

घायल ने आश्रम के बाउंसर और साथी सुरक्षा गार्ड पर लगाया मारपीट का आरोप

यूनिक समय, वृंदावन। कोतवाली इलाके की बांके बिहारी पुलिस चौकी क्षेत्र अंतर्गत परिक्रमा मार्ग स्थित गौरीगोपाल आश्रम के सुरक्षागार्ड पर सोमवार तड़के जानलेवा हमले का सनसनीखेज मामला सामने आया है। पीड़ित सुरक्षागार्ड ने कथावाचक अनिरुद्धाचार्य के निजी बाउंसर और एक अन्य सुरक्षाकर्मी पर लाठी–डंडों और धारदार हथियार से मारपीट करने का आरोप लगाया है। पुलिस ने घायल को अस्पताल भिजवाया और मामले की जांच शुरू कर दी है। पलवल, हरियाणा निवासी संदीप भाटी वर्तमान में पापड़ी चौराहा स्थित आश्रम की पार्किंग में रहता है और गौरी गोपाल आश्रम में निजी सुरक्षा गार्ड के रूप में तैनात है। पीड़ित संदीप के अनुसार, सोमवार तड़के बरसाना निवासी मनोज अनिरुद्धाचार्य का निजी बाउंसर और निजी सुरक्षा गार्ड मोहन उसके कमरे में दाखिल हुए। दोनों ने उस पर मोबाइल चोरी का आरोप लगाया। विरोध करने पर आरोपियों ने कमरे का दरवाजा अंदर से बंद कर दिया और लाठी–डंडों और धारदार हथियार से उस पर जानलेवा हमला कर दिया। हमले में बुरी तरह लहुलुहान हुए संदीप ने किसी तरह वहां से भागकर अपनी जान बचाई। पीड़ित ने तत्काल 112 नंबर पर कॉल कर पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस की मदद से घायल सुरक्षागार्ड वृंदावन कोतवाली पहुंचा और नामजद आरोपियों के खिलाफ तहरीर देकर सख्त कानूनी कार्रवाई की मांग की। पुलिस ने पीड़ित को तहरीर के आधार पर मेडिकल परीक्षण के लिए जिला अस्पताल भेजा है। वहीं पुलिस द्वारा मामले की गंभीरता को देखते हुए जांच की जा रही है और जांच के बाद दोषियों के खिलाफ उचित कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

विवाहिता ने पति समेत चार के खिलाफ कराई रिपोर्ट

दहेज की मांग को लेकर करते थे मारपीट, घर से भी निकाला

यूनिक समय, सुरीर। भिदौनी की रहने वाली एक विवहिता ने ससुराल मे दहेज की मांग को लेकर प्रताड़ित और मारपीट करने के मामले में कोतवाली सुरीर में पति सहित अन्य ससुराली जनों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

विवाहिता नीतू पुत्री श्रीराम निवासी भिदोंनी ने थाना सुरीर में दिए शिकायती पत्र में कहा है कि उसकी शादी करीब छह वर्ष पूर्व रवि पुत्र संतोषी लाल निवासी मसानी मोहल्ला, डीग जिला भरतपुर, राजस्थान के साथ हुई थी। आरोप है कि शादी के बाद से ही ससुरालीजन अतिरिक्त दहेज की मांग को लेकर उसे मानसिक और शारीरिक रूप से प्रताड़ित करते रहे। पीड़िता का यह भी आरोप लगाया कि उसके जेठ उदय, अनिल और सास संतादेवी आए दिन उसके साथ मारपीट करते थे। करीब डेढ़ वर्ष पूर्व जेठ अनिल ने गलत नीयत से उसका हाथ पकड़ लिया और विरोध करने पर उसके साथ अभद्रता की। जब इसकी शिकायत पति रवि से की तो पति ने भी आरोपियों का साथ दिया। महिला का कहना है कि सास और पति ने उसके साथ मारपीट कर उसे घर से निकाल दिया और कहा है कि दहेज लेकर आने पर ही घर में रहने दिया जाएगा। इसके बाद से वह अपने मायके में रह रही है।

बरसाना पुलिस ने गिरफ्तार किया बाइक चोर

चोरी की पांच बाइक और 1,090 ग्राम गांजा भी हुआ बरामद

यूनिक समय, मथुरा। बरसाना पुलिस ने एक चोर को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से चोरी की पांच मोटरसाइकिलें बरामद की है। पुलिस ने युवक के कब्जे से एक किलो 90 ग्राम गांजा भी बरामद किया है।

पुलिस ने एक सूचना के आधार पर नगर पंचायत के कूड़ाघर ऊंचागाव के समीप से एक चोर को गिरफ्तार किया। पुलिस ने उसके कब्जे से चोरी की पांच मोटरसाइकिल बरामद की है। पुलिस को तलाशी के दौरान उसके कब्जे से एक किलो 90 ग्राम गांजा भी मिला। पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार अभियुक्त अंसार निवासी ग्राम चुलहरा थाना खोह जिला डीग, राजस्थान का निवासी है।

पुलिस की गिरफ्त में गांजे के साथ चोरी की बाइकों के साथ पकड़ा गया युवक।

स्नान करने के दौरान युवक यमुना में डूबा

यूनिक समय, वृंदावन। जुगल घाट पर यमुना में स्नान करने के दौरान एक युवक डूब गया। युवक के डूबने की खबर से हड़कंप मच गया। गोताखोर भी उसने बचाने के लिए यमुना में कूद गए। यमुना में डूबे युवक का नाम नवीन (32) पुत्र पूरन सिंह निवासी भूतेश्वर मथुरा का रहने वाला बताया गया है। वह विवाहित है और अपने चाचा ताऊ के पुत्रों के साथ यहां आया था।

न्यायपीठ बाल कल्याण समिति ने बार अध्यक्ष से की शिकायत

फर्जी अधिवक्ता द्वारा अभद्रता करने पर कार्रवाई को कहा

यूनिक समय, मथुरा। न्यायपीठ बाल कल्याण समिति ने बार एसोसिएशन के अध्यक्ष को एक फर्जी अधिवक्ता द्वारा समिति के सदस्यों के साथ गलत व्यवहार करने और बार–बार दबाव बनाने के मामले में शिकायत करते हुए उसके खिलाफ कार्रवाई करने को पत्र लिखा है।

न्यायपीठ बाल कल्याण समिति के सदस्यों ने बार एसो सिएशन को दिए शिकायती पत्र में कहा है कि कई संदिग्ध व्यक्ति पूर्व से ही अपने को अधिवक्ता बताते हुए समिति के समक्ष उपस्थित होते हैं। इस माह की पांच मई को एक पत्रावली में एक व्यक्ति अपने को अधिवक्ता बताते हुए उपस्थित हुआ और अनुचित व्यवहार करने लगा। जब वकालतनामा मांगा गया तो उसने एक वकालत नामा हस्ताक्षर करते दाखिल कर दिया। वकालत नामे पर कोई सीओपी नंबर, रजिस्ट्रेशन नंबर अंकित नहीं किया, अधिवक्ता के रूप में प्रेमशंकर एडवोकेट का नाम अंकित किया गया। उससे सीओपी नंबर अकिंत करने को कहा गया तो वह उग्र हो गया और नंबर अंकित करने से मना कर दिया। इस पर समिति ने प्रकरण पर उससे सुनने से मना कर दिया गया। इसके बाद वह दोबारा आईडी डालकर आया। आईडी पर दिनेश यादव एडवोकेट अंकित था। एडवोकेट प्रेमशंकर ने उसे समझाने का प्रयास किया तो वह अभद्रता करने लगा। इसके बाद वह अधिवक्ताओं के साथ आया और अभद्रता करने लगा। समिति को उसके व्यवहार पर शक हुआ तो उपरोक्त व्यक्ति जिन–जिन पत्रावलियों में पूर्व में उपस्थित हुआ तो उन्हें निकाली गई, तो पता लगा कि एक पत्रावली में उस व्यक्ति ने गवाह के रुप में आधार कार्ड के छाया प्रति लगाई थी उसमे उसका नाम सचिन कुमार निवासी नगला कुम्हेरिया दतिया थाना हाईवे मथुरा है। समिति के सदस्यों ने बार एसोसिएशन के अध्यक्ष से सचिन कुमार के विरुद्ध कार्रवाई करने को कहा है।

फरह में 400 केवीए का ट्रांसफार्मर खराब

बिजली–पानी को तरसी आबादी

फरह कस्बा के मोहल्ला चटसाल में लगा 400 केवीए क्षमता का ट्रांसफार्मर।

यूनिक समय, फरह। कस्बा में लगे चार सौ केवीए क्षमता के ट्रांसफार्मर में रविवार रात खराबी आ गई। तकनकी खराबी की वजह से कस्बा के एक बड़े हिस्से में बिजली सप्लाई ठप रही। रात और दूसरे दिन सोमवार को बिजली सप्लाई नहीं आने से लोग गर्मी से अकुला गए। उद्योगों में काम ठप रहा, इन्वर्टर शोपीस बन गए। सबमर्सिबल नहीं चलने से लोगों को पानी भी नहीं मिल पाया। देर रात खराबी दूर होने के बाद लोगों को 24 घंटे बाद ही सप्लाई मिल सकी।

कस्बा के चटसाल मोहल्ले के कोलीपाड़ा में 400 केवीए क्षमता का ट्रांसफार्मर लगा है, जिससे काफी उपभोक्ताओं को सप्लाई मिलती है, जबकि कई स्पेलर और अन्य उद्योग भी संचालित होते हैं। ट्रांसफार्मर में तकनीकी खराबी आने से रविवार रात करीब साढ़े नौ बजे अचानक सप्लाई ठप हो गई। घर– घर इन्वर्टर होने की वजह से लोगों को इसका अहसास नहीं हुआ। एक घंटे तक सप्लाई नहीं आई तो लोगों ने बिजलीघर फोन लगाए, तब ट्रांसफार्मर खराब होने की जानकारी हो सकी।

बिजली के अभाव में गरीब और मध्यम वर्ग के लोग छतों पर खुले आसमान के नीचे रात गुजारते दिखे, जबकि संपन्न लोग परेशान दिखे। वहीं, ट्रांसफार्मर फुंकने से उपकरण शोपीस बन गए। सारी रात बिजली सप्लाई नहीं आने से इन्वर्टर भी टें बोल गए। सप्लाई के अभाव और इन्वर्टरों के काम नहीं करने से लोगों को सारी रात गर्मी में काटनी पड़ गई। सुबह तक बिजली नहीं आने से समबर्सिबल नहीं चलीं,

रविवार रात गायब हुई सप्लाई, अंधेरे में रहे मोहल्ले

इन्वर्टर भी बन गए शोपीस, 24 घंटे बाद मिली सप्लाई

जिससे लोगों को पानी भी नहीं मिला। बिजली सप्लाई नहीं मिलने से परेशान लोग एसडीओ कार्यालय और बिजलीघर पहुंच गए और समस्या पर आक्रोश जताया। उप खण्ड अधिकारी देवेन्द सिंह ने बताया कि कस्बा के कोलीपाड़ा में लगे 400 केवीए क्षमता के ट्रांसफार्मर में तकनीकी समस्या आने से बिजली सप्लाई बाधित रही। टीम को मथुरा भेजकर सामान मंगाया गया। सप्लाई आज रात 10 बजे तक मिलने के आसार हैं।

कलयुगी पुत्र ने बहू के कहने पर छीन लिया मां का आशियाना

यूनिक समय, गोवर्धन। कड़ी मेहनत मजदूरी करके मां–बाप ने घर बनाया। कलयुगी पुत्र ने पत्नी के कहने पर मां-बाप को मारपीट कर घर से निकाल मकान पर कब्जा कर लिया। पीड़ित मां–बाप पुलिस के पास बेटे- बहू से मकान दिलाने की गुहार लगा रहे हैं। मामला थाना मगोर्रा के सैजुआ थोक नैनू पट्टी रोड का है। केला देवी पत्नी गोपाल ने मेहनत- मजदूरी करके किसी तरह मकान बनाया। मकान में दोनों अपने छोटे नाबालिग बेटे के साथ रह रहे थे। बड़े बेटे नरेश ने पत्नी सीमा के कहने पर माता– पिता के मकान पर कब्जा कर लिया। इन लोगों ने गोला पत्नी सूबा के साथ मारपीट कर उन्हें घर से निकाल दिया। बेटे-बहू द्वारा निकाले जाने से बेघर केला देवी अपने

मारपीट कर घर से बाहर भगा दिया

पुलिस से लगाई घर दिलाने की गुहार

नाबालिग बेटे को साथ लेकर सौंख पुलिस चौकी पहुंची। सौंख चौकी से उसे थाना मगोर्रा भेज दिया गया। वहां पहुंचकर थाना प्रभारी से पीड़िता ने घर वापस दिलाने की गुहार लगाई। पीड़िता का आरोप है कि गोला पत्नी सूबा पहले भी पुलिस के साथ अभद्रता कर चुकी है। थाना प्रभारी ने इस मामले में कार्रवाई करने का भरोसा पीड़ित परिवार को दिया है।

कविवर के लिखे पदों पर भजन रिकॉर्ड कराना मेरे लिए एक उपलब्धि: हेमा मालिनी

कविवर दास नारायण की पुस्तक 'कृष्ण भक्ति–पद' का विमोचन

'कृष्ण भक्ति–पद' पुस्तक का हुआ भव्य विमोचन

नारायण की पुस्तक 'कृष्ण भक्ति–पद' का विमोचन करते सांसद हेमामालिनी, कथा वाचक अनिरुद्धाचार्य महाराज, जीएलए विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. अनूप गुप्ता और मुख्यमंत्री के सूचना सलाहकार रहीस सिंह आदि।

यूनिक समय, वृंदावन। गीता शोध संस्थान और रासलीला अकादमी वृंदावन में 21वीं सदी के भक्त–प्रवर कविवर दास नारायण द्वारा रचित भजनों पर आधारित पुस्तक 'कृष्ण भक्ति–पद' का भव्य विमोचन सांसद हेमा मालिनी, कथावाचक अनिरुद्धाचार्य और अन्य विशिष्ट अतिथियों ने किया। डॉ. उमेश चंद्र शर्मा द्वारा संपादित इस पुस्तक में कृष्ण भक्ति को समर्पित लगभग 200 पदों का संकलन किया गया है।

सांसद हेमा मालिनी ने कहा कि यह पुस्तक श्रीकृष्ण भक्ति से जोड़ने का सुंदर माध्यम है, इसके पद सीधे हृदय को स्पर्श करते हैं। उन्होंने बताया कि कविवर दास नारायण के कई भजनों को उन्होंने स्वयं स्वर दिया है, देश के अनेक प्रसिद्ध गायकों ने भी उन्हें गाया है। कथावाचक अनिरुद्धाचार्य ने कहा कि कलियुग में कीर्तन और भक्ति–पद ईश्वर प्राप्ति का सरल साधन हैं। जीएलए विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. अनूप गुप्ता ने पुस्तक को राधा–कृष्ण के प्रति समर्पण का जीवंत स्वरूप बताया। मुख्यमंत्री के सूचना सलाहकार रहीस सिंह ने इसे वर्तमान युग की उत्कृष्ट साहित्यिक कृति कहा।

कार्यक्रम में वाणी प्रकाशन के प्रबंध निदेशक अरुण माहेश्वरी ने पुस्तक की विशेषताओं पर प्रकाश डाला। भजन गायक कन्हैया लाल चतुर्वेदी और सौरभ चतुर्वेदी ने भक्ति पदों का गायन प्रस्तुत किया, जबकि अपर नगर आयुक्त राकेश त्यागी ने वादन में सहभागिता की। संचालन ब्रज भूषण चतुर्वेदी और चंद्र प्रताप सिंह सिकरवार ने किया। लेखिका प्रो. अनीता चौधरी ने हेमा मालिनी को अपनी पुस्तक भेंट की। इस अवसर पर दामोदर शर्मा, डॉ. देव प्रकाश शर्मा और महेश शर्मा सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

नीट पेपर लीक मामले में कथावाचक अनिरुद्धाचार्य का विवादित बयान

यूनिक समय, वृन्दावन। कथावाचक स्वामी अनिरुद्धाचार्य का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। जिसमें उन्होंने नीट पेपर लीक मामले को लेकर सरकार और देश की शिक्षा व्यवस्था पर तीखा हमला बोला है। मिली जानकारी के अनुसार, यह वीडियो तीन दिन पुराना बताया जा रहा है। जहां एक कथा के दौरान श्रद्धालु के सवाल का जवाब देते हुए उन्होंने इस पूरे घटनाक्रम को देश का बड़ा घोटाला करार दिया। स्वामी अनिरुद्धाचार्य ने गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि व्यवस्था ऐसी बनाई जा रही है, ताकि युवा पढ़–लिखकर नौकरी न मांगें और छोटी सरकारी सहायता राशियों पर ही निर्भर रहें। उन्होंने चिंता जताई कि छात्र सालों की मेहनत और लाखों रुपये खर्च करते हैं, लेकिन पेपर लीक होने से उनका भविष्य बर्बाद हो जाता है। उन्होंने तंज कसा कि दोबारा परीक्षा होने तक कई अभ्यर्थियों की उम्र और अवसर दोनों निकल जाते हैं। इस बयान के बाद उनका वीडियो सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है।

सूरज का प्रचंड प्रहार, 44 डिग्री तापमान ने बढ़ाई तपिश

सिटी रिपोर्टर

यूनिक समय, मथुरा। गर्मी का असर लगातार तीखा होता जा रहा है। सोमवार को जिले का अधिकतम तापमान 44 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया, जिससे दोपहर के समय सड़कों पर आवाजाही कम हो गई और लोगों को तेज धूप और गर्म बयार का सामना करना पड़ा। मौसम विभाग के अनुसार, न्यूनतम तापमान 31 डिग्री सेल्सियस के आसपास बना हुआ है, जिसके चलते रात में भी लोगों को गर्मी से राहत नहीं मिल पा रही है।

दिनभर तेज धूप के साथ गर्म बयार चलती रहीं। तेज गर्म बयार के थपेड़ों से लोग बिलबिलाते रहे, सामान्य बयार की गति करीब 22 से 25 किलोमीटर प्रतिघंटा रही, जबकि झोंकेदार बयार की गति 32 किलोमीटर प्रतिघंटा दर्ज की गई, जबकि वातावरण में नमी का स्तर लगभग 20 प्रतिशत रहा। मौसम पूरी तरह साफ और शुष्क बना हुआ है। दोपहर के समय बाजारों और प्रमुख सड़कों पर सामान्य दिनों की तुलना में भीड़ कम दिखाई दी।

तेज थपेड़ों के साथ झुलसाती बयार ने बढ़ाई चिंता

लोग जरूरी काम होने पर ही घरों से बाहर निकले। पिछले कुछ दिनों से लगातार बढ़ रही गर्मी के कारण बिजली की मांग भी तेजी से बढ़ रही है। दोपहर के समय कूलर, एसी और पंखों का उपयोग बढ़ने से बिजली खपत में उछाल देखा जा रहा है। चिकित्सकों ने बच्चों, बुजुर्गों और बीमार लोगों को दोपहर 12 बजे से 4 बजे तक धूप में निकलने से बचने की सलाह दी है।

मौसम विज्ञानी नरेंद्र कुमार के अनुसार, आगामी दिनों में भी मथुरा में गर्मी से राहत मिलने के आसार कम हैं। मंगलवार और बुधवार को भी तापमान 45 से 47 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने की संभावना है। लगातार बढ़ती गर्मी ने लोगों की दिनचर्या और कारोबार दोनों को प्रभावित करना शुरू कर दिया है।

फ्लाईओवर से दिख रहा जयगुरुदेव मंदिर का दिव्य नजारा

विद्युत की रंग–बिरंगी रोशनी से जगमगाता जय गुरुदेव मंदिर का दृश्य।

सिटी रिपोर्टर

यूनिक समय, मथुरा। दिल्ली–आगरा राष्ट्रीय राजमार्ग स्थित जय गुरुदेव नाम योग साधना मंदिर इन दिनों रोशनी, श्रद्धा और आध्यात्मिक आस्था का अदभुत केंद्र बना हुआ है। हर वर्ष आयोजित होने वाले जय गुरुदेव मेले में इस बार भी लाखों श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ रही है। सूर्यास्त होते ही रंग–बिरंगी झालरों, आकर्षक विद्युत सज्जा और जगमगाती रोशनी से सजा विशाल सफेद संगमरमर का मंदिर ऐसा दिव्य दृश्य प्रस्तुत कर रहा है कि हाईवे और फ्लाईओवर से गुजरने वाले राहगीर भी कुछ पल के लिए ठहरने को मजबूर हो रहे हैं। दूर से चमकता मंदिर किसी आध्यात्मिक महल जैसा दिखाई दे रहा है और लोगों के मोबाइल कैमरों में सबसे अधिक कैद किया जा रहा दृश्य बन गया है।

बाबा जय गुरुदेव की आध्यात्मिक परंपरा से जुड़ा यह मेला हर वर्ष पुण्य स्मृति आयोजनों के क्रम में आयोजित किया जाता है। मेले में सत्संग, भंडारा, ध्यान–साधना, सेवा और धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन हो रहा है। मंदिर की भव्य वास्तुकला, ऊंचे गुम्बद और रंगीन रोशनी श्रद्धालुओं को आध्यात्मिक अनुभूति करा रहे हैं। परिसर में लगी धार्मिक साहित्य, प्रसाद और खानपान की दुकानों पर देर रात तक भीड़ बनी हुई है। सुरक्षा और यातायात व्यवस्था संभालने के लिए स्वयंसेवक भी सक्रिय दिखाई दे रहा है।

कौशांबी की ननकी देवी ने बताया, "हर साल यहां आने से मन को शांति मिलती है, लेकिन इस बार की सजावट बेहद अदभुत है।" वहीं सीतापुर से आए श्रद्धालु धर्मवीर सिंह ने कहा, "रात में मंदिर को देखकर ऐसा लगा जैसे पूरा परिसर प्रकाश पर्व में बदल गया हो।"

अयोध्या की श्रद्धालु सीमा बोलीं, "यह केवल मेला नहीं, आध्यात्मिक ऊर्जा का केंद्र है।" हाथरस से आए राजपाल ने कहा, "सत्संग और सेवा की परंपरा यहां आज भी जीवित दिखाई देती है।"

राहगीरों में भी मंदिर की सुंदरता

शाम ढलते ही दिव्य रोशनी से चमका जय गुरुदेव मंदिर

जगमग रोशनी ने मोहा राहगीरों का मन

जय गुरुदेव मेले में उमड़ी आस्था की भीड़

चर्चा का विषय बनी हुई है। ट्रक चालक राजवीर सिंह ने बताया, "हाईवे से गुजरते समय रोशनी देखकर गाड़ी रोकनी पड़ी।" छात्रा नेहा ने कहा, "रात में चमकता मंदिर बेहद आकर्षक लग रहा था।" व्यापारी सुमित बोले, "फ्लाईओवर से दिखने वाला दृश्य बेहद अलौकिक है।" वहीं पर्यटक दिनेश सोलंकी ने कहा, "मंदिर की वास्तुकला और रोशनी दोनों मन मोह लेने वाली हैं।"

विद्यालय की करतूत पर विद्यार्थी परिषद का हंगामा

विद्यालय के खिलाफ कार्रवाई की मांग को लेकर कलेक्ट्रेट में नारेबाजी करते विद्यार्थी परिषद के कार्यकर्ता।

यूनिक समय, मथुरा। सोमवार को अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के कार्यकर्ताओं ने कलेक्ट्रेट में हंगामा काटा। शहर के एक विद्यालय के खिलाफ कार्रवाई से जुड़ी जांच को निष्पक्षता से करने की आवाज बुलंद की। ज्ञापन देने के लिए परिषद के कार्यकर्ता दो घंटे तक इंतजार करते रहे। दिशा के बैठक होने के बाद डीएम सीपी सिंह ने ज्ञापन लिया।

डीएम को ज्ञापन देने आए विद्यार्थी परिषद के कार्यकर्ताओं ने बताया कि गोविंदनगर क्षेत्र के बालाजी मेमोरियल पब्लिक स्कूल में कई दिन पहले नर्सरी की एक छात्रा की क्लासरूम में अचानक तबीयत खराब हो गई थी, उसने क्लास में ही उल्टी कर दी। आरोप है कि बच्ची को प्राथमिक उपचार देने या उसे घर भेजने की व्यवस्था करने के बजाय, स्कूल के

विद्यालय के खिलाफ कार्रवाई की उठाई मांग

डीएम को ज्ञापन देने को किया दो घंटे इंतजार

शिक्षकों ने उसकी मां को स्कूल बुलाया।

जब मां वहां पहुंची तो उन्हें बीमार बच्ची को वहीं खड़ा कर लिया और मां से क्लासरूम में फैली गंदगी साफ कराई। इसके बाद वह अपने बच्ची को लेकर वहां से निकल गईं। कार्यकर्ताओं ने स्कूल प्रबंधन के खिलाफ नारेबाजी करते हुए इसे अभिभावकों का अपमान बताया। चेतावनी दी कि एक सप्ताह में सही से जांच नहीं हुई तो आंदोलन और बड़ा होगा। परिषद के कार्यकर्ताओं ने स्कूल प्रबंधन पर कई आरोप भी लगाए।

जेवर इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर निगाहें

उड़ानों की शुरुआत से मथुरा-वृंदावन के लिए विकास के नए पंख

क्षेत्र के उद्यमियों को इंतजार है अब उड़ानों का

प्रमुख संवाददाता

सीए कुलदीप अरोड़ा

विवेक अग्रवाल

रामकिशन अग्रवाल

कमल किशोर वार्ष्णेय

यूनिक समय, मथुरा। जेवर एयरपोर्ट से उड़ानों की शुरुआत मथुरा-वृंदावन के लिए, केवल एक परिवहन सुविधा नहीं, बल्कि समग्र विकास का द्वार है। यह कदम ब्रज क्षेत्र को पर्यटन, व्यापार और रोजगार के क्षेत्र में नई ऊंचाइयों तक ले जाने की क्षमता रखता है।

वैसे उद्यमियों की मानें तो नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट जेवर से जून 2026 में प्रस्तावित उड़ानों की शुरुआत मथुरा और वृंदावन के लिए ऐतिहासिक अवसर लेकर आ रही है। यूनिक समय टीम ने नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट जेवर शुरु होने के बारे में उद्यमी, प्रबुद्ध वर्ग से बातचीत की।

वरिष्ठ सीए कुलदीप अरोड़ा का कहना है कि जेवर इंटरनेशनल एयरपोर्ट का शुभारंभ केवल एक हवाई अड्डे की शुरुआत नहीं, बल्कि ब्रज क्षेत्र के आर्थिक एवं आध्यात्मिक पुनर्जागरण का द्वार है। इससे एक ओर मथुरा-वृंदावन का धार्मिक पर्यटन वैश्विक स्तर पर पहुंचेगा, वहीं जेवर से आगरा तक का यमुना एक्सप्रेसवे कॉरिडोर एक नए औद्योगिक हब के रूप में विकसित होगा। इस दोहरे लाभ से स्थानीय युवाओं के लिए प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार के हजारों अवसर सृजित होंगे।

जेवर एयरपोर्ट सिर्फ हवाई अड्डा नहीं, बल्कि आस्था और अर्थव्यवस्था का नया गेटवे है। जेवर एयरपोर्ट प्रारंभ होते ही दुनिया सीधे बांके बिहारी के दर पर उतरेगी। साथ ही साथ यमुना एक्सप्रेसवे के किनारे-किनारे फैक्ट्रियां लगेंगी, तो हमारे बच्चे नौकरी के लिए बड़े शहरों में नहीं भागेंगे।

एनके ग्रुप के निदेशक एवं जीएलए विश्वविद्यालय के सीएफओ विवेक अग्रवाल का कहना है कि 15 जून से जेवर (नोएडा अंतराष्ट्रीय) हवाई अड्डे के शुरू होने से मथुरा और वृंदावन के धार्मिक पर्यटन को बहुत बड़ा बढ़ावा मिलेगा।

इससे श्रद्धालुओं का यात्रा समय कम होगा, दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतराष्ट्रीय हवाई अड्डे का दबाव घटेगा और बेहतर सड़क संपर्क के कारण दूरदराज से आने वाले भक्तों के लिए यात्रा काफी सुगम हो जाएगा।

जेवर हवाई अड्डा और मथुरा-वृंदावन के बीच की दूरी लगभग 75 से 90 किलोमीटर है। यमुना एक्सप्रेसवे के माध्यम से श्रद्धालु मात्र 1 घंटे में सीधे एयरपोर्ट से मथुरा-वृंदावन पहुंच सकते है। हवाई कनेक्टिविटी बेहतर होने से देश के विभिन्न राज्यों दक्षिण भारत, मुंबई, बेंगलुर से आने वाले तीर्थयात्री आसानी से दर्शन के लिए आ सकेंगे। पर्यटकों की संख्या में वृद्धि होने से स्थानीय अर्थव्यवस्था, होटल उद्योग, टैक्सी सेवाओं और टूर पैकेज को काफी फायदा मिलेगा।

बसेरा ग्रुप के चेयरमैन रामकिशन अग्रवाल का कहना है कि लंबे समय से पर्यटन, व्यापार और बुनियादी ढांचे की सीमाओं से जूझ रहे इस धार्मिक क्षेत्र को अब वैश्विक कनेक्टिविटी का सीधा लाभ मिलने जा रहा है। अंतराष्ट्रीय उड़ानों का विस्तार होने से मथुरा-वृंदावन तक पहुंचने वाले यात्रियों की संख्या में बड़ा इजाफा होगा। अभी तक पर्यटकों को दिल्ली या आगरा एयरपोर्ट पर उतरकर सड़क मार्ग से आना पड़ता था, जिससे समय और सुविधा दोनों प्रभावित होते थे। अब जेवर एयरपोर्ट से मथुरा की दूरी करीब 70-80 किमी होने के कारण यात्रा समय काफी घट जाएगा। इससे विदेशी पर्यटकों की संख्या बढ़ेगी।

उद्योगपति कमल किशोर वार्ष्णेय का मानना है कि जेवर हवाई अड्डा शुरु होने से व्यापार और उद्योग को नई रफ्तार मिलेगी। हवाई संपर्क से केवल पर्यटन ही नहीं, बल्कि व्यापारिक गतिविधियों को भी मजबूती मिलेगी। होटल, गेस्ट हाउस और धर्मशालाओं की मांग बढ़ेगी। स्थानीय गाइड, टैक्सी और ट्रैवल एजेंसियों को काम मिलेगा। आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में भी रोजगार के अवसर बढ़ेंगे। रोजगार के नए अवसर एयरपोर्ट और उससे जुड़ी गतिविधियों से स्थानीय युवाओं को बड़े पैमाने पर रोजगार मिलेगा। सभी लोगों को अब 15 जून को पहली उड़ान का इंतजार है। इस उड़ान के साथ ब्रज भूमि के लिए नई उड़ान का रास्ता खुलेगा।

बाबा कढेरा सिंह विद्या मंदिर में हुई शतरंज प्रतियोगिता

प्रतियोगिता में छात्रों के साथ शतरंज खेलते चेयरमैन सुरेश सिंह और अन्य स्टाफ

यूनिक समय, मथुरा। बाबा कढेरा सिंह विद्या मंदिर में शतरंज प्रतोयोगिता का आयोजन हुआ। विभिन्न कक्षाओं के दर्जन छात्रों ने प्रतियोगिता में भाग लिया। प्रतियोगिता में कक्षा 6 रतनेश,कक्षा 7 आरव,कक्षा 8 आदित्य,कक्षा 9 के हिमांशु और कक्षा 10 के यश शर्मा और कक्षा 12 के गर्वित विजेता रहे। शुभारंभ विद्यालय चेयरमैन सुरेश सिंह ने मां सरस्वती के चित्र पर प्रज्वलित कर किया।

चेयरमैन कहा कि शतरंज ऐसी प्रतियोगिता है, जो बुद्धि के बल पर चलती है। पासों का खेल पूरी तरह किस्मत पर आधारित होता था। छठवीं शताब्दी में भारत में पारसियों के आने के बाद इस खेल को 'शतरंज' कहा जाने लगा। प्रबंधक निदेशक गौरव सिंह ने प्रतिभागियों को बताया कि शतरंज एक बेहद रोचक खेल है। प्रधानाचार्य देवाशीष सेन ने विजेता प्रतिभागियों को बधाई दी।

इस अवसर पर प्रहलाद सिंह,एसवी सिंह, बीरपाल प्रधान, रामबाबू,सुरेंद्र सिंह, बिपिन सिंह, अशोक, रामबीर, सदानंद शर्मा, गोविन्द सिंह, चंद्रेश यादव, योगेश कुमार, ओमप्रकाश, रोहताश, राकेश आदि उपस्थित रहे।

महाराणा प्रताप की 486 वीं जयंती पर निकली भव्य शोभायात्रा

महराणा प्रताप की 486 वी जयंती पर निकली शोभायात्रा में शामिल रालोद नेता कुंवर नरेंद्र सिंह और अन्य लोग।

यूनिक समय, मथुरा। कान्हा की नगरी में क्षत्रिय वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप की 486 वीं जयंती पर क्षत्रिय राजपूत वेलफेयर सोसाइटी के तत्वावधान में भव्य शोभायात्रा निकाली गई। शोभा यात्रा में न केवल क्षत्रिय समाज के गौरव को प्रदर्शित किया,बल्कि सर्व समाज के महापुरुषों की झांकियों के माध्यम से अनेकता में एकता का एक अनूठा संदेश भी दिया। शोभायात्रा का शुभारंभ डैम्पीयर नगर स्थित शहीद भगतसिंह की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर किया गया। यात्रा शहर के विभिन्न प्रमुख मार्गों और डीग गेट से होते हुए होलीगेट पहुंची, जहां सर्व समाज के लोगों ने स्वागत किया। शोभायात्रा के दौरान शहर पूरी तरह से केसरिया रंग में सराबोर नजर आया। क्षत्रिय समाज के लोग सिर पर केसरिया पगड़ी बांधे और हाथों में तलवार लिए उत्साह से भरे हुए दिखे। क्षत्रिय राजपूत वेलफेयर सोसाइटी के मुख्य संयोजक प्रवीण ठाकुर ने बताया कि सोसाइटी द्वारा लगातार 8 वीं वर्ष निकाली गई शोभायात्रा बेहद ही खास रही है। राजपूत वेलफेयर सोसाइटी के अध्यक्ष करण ठाकुर ने बताया कि झाकियों में बांके बिहारी, बाबा भोलेनाथ,महाराणा प्रताप,भगवान परशुराम, महर्षि वाल्मिकी, महाराजा अग्रसेन, निषादराज, रानी अवंतिका बाई और महारानी अहिल्याबाई होल्कर जैसे और भी अन्य राष्ट्र के महान नायकों की झांकियां भी निकाली गई।

संत प्रेमानंद की पदयात्रा अनिश्चितकालीन स्थगित

रविवार को दर्शन करने आए श्रद्धालु मायूस होकर लौटे

यूनिक समय, वृंदावन। प्रसिद्ध संत प्रेमानंद महाराज की पदयात्रा को अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दिया गया है। श्रीराधा केली कुंज आश्रम प्रबंधन द्वारा इसकी जानकारी दिए जाने के बाद श्रद्धालुओं में मायूसी छा गई। रविवार रात पहुंचे हजारों भक्त बिना दर्शन किए ही लौट गए। हालांकि आश्रम की ओर से पदयात्रा स्थगित करने का स्पष्ट कारण नहीं बताया गया, लेकिन माना जा रहा है कि अधिक मास में उमड़ रही भारी भीड़ और संत प्रेमानंद महाराज के बिगड़ते स्वास्थ्य को देखते हुए यह निर्णय लिया गया है। आश्रम प्रशासन के अनुसार, महाराज जी पिछले 21 वर्षों से किडनी संबंधी बीमारी से पीड़ित हैं और डॉक्टरों ने उन्हें आराम की सलाह दी है। श्रद्धालु मोहन लाला ने राधारानी से महाराज जी के शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना की। वहीं पूजा गुप्ता ने बताया कि वह परिवार सहित दर्शन के लिए आई थीं, लेकिन उन्हें निराश होकर लौटना पड़ा।

विवाद में मजदूर महिला पर फेंकी गर्म चाय

यूनिक समय, मथुरा। गोवर्धन कस्बा के गैस गोदाम के समीप रहने वाली दो मजदूर महिलाओं में किसी बात को लेकर विवाद हो गया। एक महिला ने दूसरी महिला पर गर्म चाय फेंक दी, जिससे वह झुलस गई। पीड़ित महिला ने थाना में तहरीर दी है।

महोबा की रहने वाली महिला गुड़िया पत्नी बबलू मजदूरी करने के लिए गोवर्धन आई थी। वह गैस गोदाम गोवर्धन पर झुग्गी में रह रही है। बताया गया वहां गुड़िया का पड़ोस में रहने वाली महिला से किसी बात को लेकर विवाद हुआ था। पड़ोसी महिला सुमन ने गुड़िया पर गर्म चाय फैंक दी, जिससे वह बुरी तरह जल गई। दूसरी महिलाओं ने प्राथमिक उपचार दिया। पीड़ित महिला ने थाने पहुंचकर अपने साथ हुई घटना की तहरीर दी है। थाना प्रभारी निरीक्षक भगवत सिंह गुर्जर ने बताया कि महिला की तहरीर मिल गई है। जांच कर कार्रवाई की जाएगी।

राजीव एकेडमी और डीआईडीएम के बीच हुआ महत्वपूर्ण अनुबंध

डिजिटल मार्केटिंग प्रशिक्षण से छात्रों को मिलेगा लाभ

यूनिक समय, मथुरा। तकनीकी शिक्षा और रोजगारपरक कौशल विकास को नई दिशा देने के उद्देश्य से राजीव एकेडमी फॉर टेक्नोलॉजी एंड मैनेजमेंट और देहली इंस्टीट्यूट ऑफ डिजिटल मार्केटिंग के मध्य तीन वर्षीय महत्वपूर्ण अनुबंध (एमओयू) संपन्न हुआ। इस समझौते के तहत छात्र-छात्राओं को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आधारित डिजिटल मार्केटिंग, आधुनिक तकनीकी ज्ञान और इंडस्ट्री ओरिएंटेड स्किल्स का प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा।

अनुबंध पत्रों पर राजीव एकेडमी फॉर टेक्नोलॉजी एंड मैनेजमेंट के निदेशक डॉ. अमर कुमार सक्सेना और देहली इंस्टीट्यूट ऑफ डिजिटल मार्केटिंग के प्रोजेक्ट हेड सिद्धार्थ जैन ने हस्ताक्षर किए। इस अवसर पर संस्थान के सीआरसी हेड डॉ. विकास जैन और डीआईडीएम के हेड ट्रेनिंग डिलीवरी एंड प्लेसमेंट वैभव शर्मा साक्षी के रूप में उपस्थित रहे। एमओयू के अंतर्गत देहली इंस्टीट्यूट ऑफ डिजिटल मार्केटिंग समय-समय पर कॉलेज परिसर में सेमिनार, वर्कशॉप और वेबिनार आयोजित करेगा। इससे विद्यार्थियों को डिजिटल मार्केटिंग और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के क्षेत्र में व्यावहारिक एवं तकनीकी जानकारी प्राप्त होगी।

अनुबंध पत्रों पर हस्ताक्षर करते और एक-दूसरे को प्रदान करते डॉ. अमर कुमार सक्सेना और प्रोजेक्ट हेड सिद्धार्थ जैन।

साथ ही इच्छुक छात्र-छात्राओं के लिए विशेष स्किल डेवलपमेंट कोर्स भी संचालित किए जाएंगे। निदेशक डॉ. अमर कुमार सक्सेना ने कहा कि यह सहयोग विद्यार्थियों को रोजगार और स्वरोजगार के बेहतर अवसर उपलब्ध कराने के साथ-साथ उन्हें आधुनिक उद्योगों की आवश्यकताओं के अनुरूप तैयार करेगा। वहीं प्रोजेक्ट हेड सिद्धार्थ जैन ने बताया कि संस्थान "अर्न व्हाइल लर्न" मॉडल के माध्यम से विद्यार्थियों को प्रशिक्षण और इंटर्नशिप के अवसर देगा, ताकि वे पढ़ाई के साथ अपने कौशल का विकास भी कर सकें।

आरके एज्यूकेशन हब के चेयरमैन डॉ. रामकिशोर अग्रवाल, उपाध्यक्ष पंकज अग्रवाल और प्रबंध निदेशक मनोज अग्रवाल ने इस अनुबंध की सराहना करते हुए कहा कि विद्यार्थियों को शैक्षणिक ज्ञान के साथ व्यावहारिक प्रशिक्षण देना समय की आवश्यकता है। उन्होंने विश्वास जताया कि यह पहल छात्र-छात्राओं के कौशल विकास और बेहतर करियर निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

महिलाओं को साइबर ठगी से बचाव को दिए प्रभावी टिप्स

यूनिक समय, मथुरा। वित्तीय साक्षरता केंद्र द्वारा स्वयं सहायता समूह की महिलाओं के लिए एक दिवसीय साइबर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। वित्तीय साक्षरता केंद्र के डिस्ट्रिक्ट इंचार्ज अमित चतुर्वेदी ने महिलाओं को साइबर अपराधों के बढ़ते मामलों और उनसे बचाव के उपायों की जानकारी दी। उन्होंने लॉटरी फ्रॉड, मनी म्यूल फ्रॉड, डिजिटल अरेस्ट, केवाईसी फ्रॉड सहित विभिन्न साइबर ठगी के तरीकों के बारे में जागरूक करते हुए सतर्क रहने की अपील की। साथ ही 1930 साइबर हेल्पलाइन नंबर और साइबर क्राइम पोर्टल के महत्व की जानकारी भी प्रदान की गई, ताकि किसी भी ऑनलाइन ठगी की स्थिति में तत्काल शिकायत दर्ज कराई जा सके। कार्यक्रम में बैंक खातों में नॉमिनी जोड़ने के लाभ, डेफ योजना, मुख्यमंत्री युवा उद्यमी योजना, सुकन्या समृद्धि योजना तथा विभिन्न सामाजिक सुरक्षा योजनाओं की भी जानकारी दी गई। इस दौरान महिलाओं को सुरक्षित डिजिटल बैंकिंग और वित्तीय प्रबंधन के प्रति जागरूक किया गया। इस कार्यक्रम में करीब 30 महिला सदस्यों ने प्रतिभाग कर जानकारी प्राप्त की।

शरीर दे रहा है एंग्जाइटी का अलार्म

घबराहट, सीने में जकड़न और पेट की गड़बड़ी जैसे संकेतों को न करें नजरअंदाज

यूनिक समय, नई दिल्ली। आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में तनाव और चिंता लोगों की दिनचर्या का हिस्सा बनते जा रहे हैं। कई बार अचानक दिल की धड़कन तेज होना, सांस फूलना, घबराहट महसूस होना या शरीर में बेचैनी बढ़ना सामान्य थकान नहीं बल्कि एंग्जाइटी यानी चिंता के संकेत हो सकते हैं। स्वास्थ्य विशेषज्ञों के अनुसार एंग्जाइटी एक ऐसी मानसिक स्थिति है, जिसमें व्यक्ति किसी वास्तविक या काल्पनिक खतरे को महसूस करने लगता है। इसका असर केवल दिमाग पर ही नहीं बल्कि पूरे शरीर पर दिखाई देता है। विशेषज्ञ बताते हैं कि एंग्जाइटी के दौरान शरीर 'अलर्ट मोड' में चला जाता है। इस समय शरीर में एड्रेनालाईन और कोर्टिसोल जैसे तनाव वाले हार्मोन तेजी से बढ़ने लगते हैं, जिससे कई शारीरिक और मानसिक लक्षण महसूस होने लगते हैं। एंग्जाइटी का सबसे

सामान्य लक्षण दिल की धड़कन तेज होना और सीने में जकड़न महसूस होना है। कई लोगों को ऐसा लगता है जैसे हार्ट अटैक आने वाला हो। इसके अलावा सांस तेज चलना, घुटन महसूस होना और बार-बार गहरी सांस लेने की जरूरत महसूस होना भी चिंता के प्रमुख संकेत माने जाते हैं। तनाव का असर पाचन तंत्र पर भी पड़ता है। ज्यादा चिंता होने पर पेट खराब रहना, गैस, पेट फूलना, मतली या बार-बार टॉयलेट जाने जैसी समस्याएं हो सकती हैं। डॉक्टरों के अनुसार तनाव के समय शरीर खून को मांसपेशियों की ओर ज्यादा भेजता है, जिससे आंतों की कार्यप्रणाली प्रभावित होती है। एंग्जाइटी के कारण मांसपेशियां भी लगातार तनाव में रहती हैं। इससे गर्दन, कंधों और पीठ में दर्द या अकड़न महसूस हो सकती है। कई लोगों को सिरदर्द, चक्कर आना, कमजोरी और अत्यधिक थकान की शिकायत भी होने लगती है। विशेषज्ञ सलाह देते हैं कि अगर ये लक्षण लंबे समय तक बने रहें तो इन्हें नजरअंदाज न करें। नियमित व्यायाम, पर्याप्त नींद, मेडिटेशन और तनाव कम करने वाली गतिविधियां एंग्जाइटी को नियंत्रित करने में मदद कर सकती हैं। जरूरत पड़ने पर डॉक्टर या मानसिक स्वास्थ्य विशेषज्ञ से सलाह लेना भी जरूरी है।

जानिए पैरों को होने वाले नुकसान

हर समय जूते-चप्पल पहनने की आदत बन सकती है

यूनिक समय, नई दिल्ली। आजकल ज्यादातर लोग सुबह बिस्तर से उतरते ही पैरों में चप्पल या जूते पहन लेते हैं और पूरे दिन उन्हें उतारते नहीं। घर हो या बाहर, लगातार चप्पल पहनना अब आम आदत बन चुकी है। हालांकि विशेषज्ञ मानते हैं कि हर समय पैरों को ढककर रखना कई स्वास्थ्य समस्याओं को जन्म दे सकता है। खासकर खराब क्वालिटी या लंबे समय तक पहनी जाने वाली चप्पलें पैरों के लिए नुकसानदायक साबित हो सकती हैं।

विशेषज्ञों के अनुसार लगातार चप्पल पहनने से पैरों की उंगलियों और तलवों पर दबाव बढ़ता है। इससे उंगलियां टेढ़ी होने, गांठ बनने और पैरों की बनावट बिगड़ने का खतरा रहता है। कई लोगों में अंगूठे

के पास की हड्डी बढ़ने लगती है, जिसे मेडिकल भाषा में 'हैमर टो' जैसी समस्या कहा जाता है। लंबे समय तक पैरों को बंद रखने से पसीना अधिक आता है, जिससे फंगल इंफेक्शन का खतरा भी बढ़ जाता है। खासकर प्लास्टिक और रबर की चप्पलों में हवा का सही प्रवाह नहीं हो पाता, जिसके कारण तलवों में सूजन और जलन की शिकायत हो सकती है। डॉक्टरों का कहना है कि गलत फिटिंग या सख्त चप्पलें पहनने से कम उम्र में ही घुटनों, एड़ियों और जोड़ों में दर्द शुरू हो सकता है। वहीं हाई हील या कठोर सोल वाली फुटवियर शरीर के संतुलन पर असर डालती हैं, जिससे कमर और रीढ़ पर भी दबाव बढ़ता है। पुरानी और घिसी हुई चप्पलों से फिसलने का खतरा भी बढ़ जाता है। कई बार चिकने सोल की वजह से लोग बाथरूम या गीली जगहों पर गिरकर चोटिल हो जाते हैं। विशेषज्ञ सलाह देते हैं कि घर के अंदर साफ-सफाई हो तो कुछ समय नंगे पैर चलना पैरों के लिए फायदेमंद हो सकता है। इससे पैरों की मांसपेशियां मजबूत होती हैं और रक्त संचार बेहतर रहता है। साथ ही हमेशा आरामदायक, सही आकार और अच्छी क्वालिटी की फुटवियर ही पहननी चाहिए।

घर पर बनाएं स्वादिष्ट मटका कुल्फी, बाजार का स्वाद भी लगेगा फीका

यूनिक समय, नई दिल्ली। गर्मियों के मौसम में ठंडी और मलाईदार कुल्फी खाने का अलग ही मजा होता है। खासतौर पर मटका कुल्फी का देसी स्वाद बच्चों से लेकर बड़ों तक सभी को पसंद आता है। हालांकि बाजार में मिलने वाली कुल्फी में मिलावट और ज्यादा प्रिजर्वेटिव होने का डर बना रहता है।

ऐसे में आप घर पर ही शुद्ध और हेल्दी मटका कुल्फी तैयार कर सकते हैं। यह स्वाद में बेहद लाजवाब होती है और इसे बनाना भी काफी आसान है।

मटका कुल्फी बनाने के लिए सबसे पहले एक लीटर फुल क्रीम दूध को भारी तले की कड़ाही में डालकर मध्यम आंच पर उबाल लें। जब दूध में उबाल आ जाए तो आंच धीमी कर दें और लगातार चलाते हुए इसे आधा होने तक पकाएं। बीच-बीच में किनारों पर जमी मलाई को खुरचकर दूध में मिलाते रहें, इससे कुल्फी ज्यादा मलाईदार बनेगी। अब थोड़े से ठंडे दूध में मिल्क पाउडर मिलाकर पेस्ट तैयार करें और इसे दूध में डाल दें।

इसके बाद स्वादानुसार चीनी और केसर वाला दूध मिलाकर करीब पांच मिनट तक पकाएं। फिर इसमें इलायची पाउडर और कटे हुए बादाम, पिस्ता व काजू डालकर अच्छी तरह मिक्स करें। मिश्रण ठंडा होने के बाद इसे छोटे मिट्टी के मटकों में भर दें।

ऊपर से ड्राई फ्रूट्स डालकर सजाएं और मटकों को एल्युमिनियम फॉयल से ढक दें। इसके बाद इन्हें 7 से 8 घंटे या पूरी रात फ्रीजर में जमने के लिए रख दें। तैयार है

आपकी घर की बनी शुद्ध, मलाईदार और सोंधी खुशबू वाली मटका कुल्फी। गर्मियों में इसका स्वाद हर किसी का दिल जीत लेगा।

मरीन ड्राइव की रातों में बस जाता है जादू

समंदर की लहरें, और ठंडी हवाओं के बीच मरीन ड्राइव बना सैलानियों की पहली पसंद

यूनिक समय, नई दिल्ली। मुंबई को सपनों का शहर कहा जाता है, लेकिन इस शहर की असली खूबसूरती अगर कहीं महसूस करनी हो तो वह जगह है मरीन ड्राइव। अरब सागर के किनारे फैला यह शानदार समुद्री किनारा दिन में जितना खूबसूरत दिखता है, रात में उससे कहीं ज्यादा जादुई नजर आता है। चमचमाती रोशनियां, समुद्र से आती ठंडी हवा और दूर तक फैली स्काईलाइन इसे किसी विदेशी शहर जैसा एहसास देती है। यही वजह है कि लोग अक्सर इसकी तुलना न्यूयॉर्क की नाइट लाइफ और समुद्री तटों से करते हैं। दक्षिण मुंबई में स्थित मरीन ड्राइव करीब 3.6 किलोमीटर लंबा समुद्री मार्ग है, जो नरिमन पॉइंट से गिरगांव चौपाटी तक फैला हुआ है। इसकी घुमावदार सड़क पर लगी स्ट्रीट लाइट्स रात के समय ऊपर से देखने पर किसी चमकते हुए हार जैसी दिखाई देती हैं। इसी कारण इसे 'क्वीन नेकलेस' यानी रानी का हार कहा जाता है। शाम होते ही यहां लोगों की भीड़ बढ़ने लगती है। कोई समंदर किनारे बैठकर लहरों को निहारता है तो कोई दोस्तों और परिवार के साथ सुकून भरे पल बिताता है। कई लोग यहां मॉर्निंग और इवनिंग वॉक के लिए भी पहुंचते हैं। खासकर बारिश के मौसम में मरीन ड्राइव का नजारा और भी शानदार हो जाता है, जब समुद्र की ऊंची लहरें किनारों से टकराती हैं। मरीन ड्राइव केवल खूबसूरत नजारों के लिए ही नहीं, बल्कि अपने आसपास मिलने वाले मशहूर स्ट्रीट फूड के लिए भी जाना

जाता है। पास स्थित गिरगांव चौपाटी में भेलपुरी, पाव भाजी, पानीपुरी और वड़ा पाव का स्वाद लेने दूर-दूर से लोग पहुंचते हैं। समुद्र किनारे बैठकर मुंबई के मशहूर स्नैक्स का आनंद लेना यहां आने वालों के लिए यादगार अनुभव बन जाता है। फोटोग्राफी और सोशल मीडिया रील्स के शौकीनों के लिए भी यह जगह बेहद खास मानी जाती है। रात में जगमगाती रोशनी और समुद्र की लहरों के बीच खींची गई तस्वीरें किसी फिल्मी दृश्य जैसी लगती हैं। यही कारण है कि हर दिन हजारों पर्यटक यहां पहुंचते हैं। घूमने के लिए अक्टूबर से मार्च का समय सबसे बेहतर माना जाता है, लेकिन मरीन ड्राइव की शाम हर मौसम में दिल जीत लेती है। मुंबई आने वाला शायद ही कोई पर्यटक हो, जो इस 'क्वीन नेकलेस' की चमक को देखने से खुद को रोक पाए।

सुविचार

"सामूहिक सहयोग से ही सपने साकार होते हैं।"

कल का पंचांग

तिथि	तृतीया	05:53-02:18 तक	पक्ष	कृष्ण पक्ष
नक्षत्र	मृगशीर्षा	11:31-08:41 तक	माह	ज्येष्ठ
सूर्योदय		5:32 AM	चन्द्रोदय	07:29 AM
सूर्यास्त		6:58 PM	चंद्रास्त	10:13 PM
सूर्य राशि		वृषभ राशि	चंद्र	मिथुन राशि
शुभ मुहूर्त		11:48AM -12:42 PM	ब्रहम् मुहूर्त	03:59-04:47
त्योहार/व्रत			विक्रम संवत्	2083
राहुकाल		05:17 PM: 06:57 PM	वार	मंगलवार

ब्रज के मंदिरों के दर्शन

ब्रज की सभी कथा और श्री राधा कृष्ण की सभी लीलाओं के दर्शन यूनिक समय चैनल के माध्यम से करें।

Youtube Channel : https://youtube.com/uniquesamay

मलमासः इस पवित्र महीने के नियम जानना जरूरी

भूलकर भी न खाएं ये चीजें अधिक मास में शुभ कार्य वर्जित

यूनिक समय, मथुरा। मलमास 2026 इस वर्ष 17 मई से शुरू होकर 15 जून 2026 तक चलेगा। हिंदू पंचांग के अनुसार इसे अधिक मास या पुरुषोत्तम मास भी कहा जाता है। यह लगभग हर 32 से 33 महीने में आता है और इसे धार्मिक दृष्टि से अत्यंत पवित्र और आध्यात्मिक साधना का समय माना जाता है। इस दौरान शुभ और मांगलिक कार्यों पर रोक रहती है और लोग संयम, भक्ति और आत्मशुद्धि पर अधिक ध्यान देते हैं।

धार्मिक मान्यता के अनुसार यह महीना भगवान विष्णु को समर्पित माना गया है। इस समय भक्तजन विष्णु पूजा, विष्णु सहस्त्रनाम का पाठ, भगवद गीता का अध्ययन और दान-पुण्य जैसे कार्य करते हैं। ऐसा विश्वास है कि इस अवधि में साधना करने से मन शांत होता है और जीवन में सकारात्मक ऊर्जा बढ़ती है।

विष्णु भक्ति का विशेष महत्व बताया गया

इस पवित्र महीने में संयम और साधना जरूरी

भूलकर भी न करें मांसाहार और नशे का सेवन

भगवान विष्णु की भक्ति से मिलता है पुण्य फल

शुभ कार्य इस अवधि में पूरी तरह वर्जित माने गए

MANNAT GROUP
Building Your Vision, Creating Reality

मलमास में खानपान को लेकर विशेष सावधानी बरतने की परंपरा है। इस दौरान मांसाहार जैसे मांस, मछली और अंडे का सेवन पूरी तरह वर्जित माना जाता है। शराब और नशीले पदार्थों से भी दूर रहने की सलाह दी जाती है।

लहसुन और प्याज जैसे तामसिक भोजन को कई परंपराओं में निषिद्ध माना गया है, क्योंकि इन्हें मानसिक और शारीरिक शुद्धता के लिए बाधक समझा जाता है।

इस अवधि में बहुत अधिक मसालेदार, तला-भुना और जंक फूड से परहेज करना चाहिए। बासी भोजन को भी अशुद्ध माना जाता है, इसलिए ताजा और घर का बना सात्विक भोजन ही श्रेष्ठ माना जाता है। कुछ लोग इस समय अनाज और दालों का सेवन सीमित कर देते हैं, हालांकि यह पूरी तरह पारिवारिक परंपरा और आस्था पर निर्भर करता है।

सात्विक भोजन को इस माह में सबसे उत्तम माना गया है। फल, दूध, दही, मूंग, चना, गेहूं, जौ, तिल और मूंगफली जैसे खाद्य पदार्थों का सेवन किया जा सकता है। लौकी, धनिया और सेंधा नमक जैसे हल्के और शुद्ध भोजन भी उपयुक्त माने जाते हैं। कई श्रद्धालु इस दौरान एक समय भोजन या फलाहार का पालन करते हैं। मलमास में विवाह, सगाई, गृह प्रवेश, मुंडन और नए व्यापार की शुरुआत जैसे शुभ कार्यों को वर्जित माना गया है। बड़े निवेश या नई खरीदारी को भी टालने की सलाह दी जाती है। इस समय को लोग पूजा-पाठ, ध्यान, जप, दान और सेवा कार्यों में लगाते हैं।

यह महीना केवल धार्मिक नियमों का समय नहीं बल्कि आत्मसंयम, आत्मनिरीक्षण और आध्यात्मिक उन्नति का अवसर भी माना जाता है, जो व्यक्ति के जीवन में शांति, संतुलन और सकारात्मकता लाने में मदद करता है।

मंदिर खुलने व बंद होने का समय

- श्रीबांके बिहारीजी मंदिर में सुबह 8 .00 से दोपहर 01.30 बजे तक और शाम 4 .00 से रात 9 .00 बजे तक।
- श्रीकृष्ण जन्मभूमि में श्री गर्भगृह के दर्शन सुबह 6 .30 बजे से रात 9 बजे तक।
- श्रीकृष्ण जन्मभूमि के भागवत भवन व अन्य मंदिर में सुबह 6 .30 बजे से दोपहर 12 बजे तक और शाम 4 बजे से रात 9 बजे तक।
- द्वारकाधीश मंदिर में सुबह 6 .30 बजे से 11 बजे तक और शाम 4 बजे से 7 .30 बजे तक।

कल का राशिफल

मेष : कल आत्मविश्वास बढ़ेगा और नए कार्यों में सफलता मिलेगी। नौकरी में प्रगति के योग हैं। परिवार का सहयोग मिलेगा। जल्दबाजी से बचें और सोच-समझकर निर्णय लें।

वृषभ : धन संबंधी मामलों में सुधार होगा। रुके हुए काम पूरे हो सकते हैं। परिवार में खुशी का माहौल रहेगा। स्वास्थ्य का ध्यान रखें और खर्चों पर नियंत्रण जरूरी है।

मिथुन : कल का दिन व्यस्त रहेगा। कार्यस्थल पर जिम्मेदारियां बढ़ेंगी। मित्रों से सहयोग मिलेगा। वाणी पर संयम रखें और विवादों से दूर रहें। यात्रा के योग बन सकते हैं।

कर्क : भावनात्मक रूप से दिन थोड़ा संवेदनशील रहेगा। परिवार में सामंजस्य बना रहेगा। कार्यक्षेत्र में स्थिरता मिलेगी। धन लाभ के संकेत हैं। स्वास्थ्य पर ध्यान देना जरूरी है।

सिंह : कल नेतृत्व क्षमता बढ़ेगी। नए अवसर मिल सकते हैं। नौकरी और व्यापार में लाभ होगा। आत्मविश्वास मजबूत रहेगा। अहंकार से बचें और संबंधों में मधुरता रखें।

कन्या : कार्यस्थल पर मेहनत का अच्छा परिणाम मिलेगा। आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। पारिवारिक सहयोग प्राप्त होगा। तनाव कम होगा। स्वास्थ्य का ध्यान रखें और आराम भी जरूरी है।

तुला : कल संतुलन बनाए रखना जरूरी होगा। रिश्तों में सुधार के संकेत हैं। नए अवसर मिल सकते हैं। खर्च बढ़ सकते हैं। सोच-समझकर निर्णय लें और धैर्य रखें।

वृश्चिक : कल का दिन मिश्रित परिणाम देगा। कार्यों में बाधाएं आ सकती हैं लेकिन मेहनत से सफलता मिलेगी। परिवार का सहयोग मिलेगा। क्रोध पर नियंत्रण रखें।

धनु :भाग्य का साथ मिलेगा। रुके हुए कार्य पूरे होंगे। यात्रा के योग बन सकते हैं। धन लाभ संभव है। मित्रों से सहयोग मिलेगा। स्वास्थ्य अच्छा रहेगा।

मकर : करियर में प्रगति के संकेत हैं। जिम्मेदारियां बढ़ेंगी। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। परिवार का सहयोग मिलेगा। धैर्य और मेहनत से सफलता मिलेगी।

कुंभ : कल नए विचार सामने आएंगे। कार्यस्थल पर सराहना मिलेगी। मित्रों का सहयोग मिलेगा। खर्च बढ़ सकते हैं। मानसिक शांति बनाए रखना जरूरी है।

मीन : कल का दिन शुभ रहेगा। धार्मिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। धन लाभ के योग हैं। परिवार में खुशी रहेगी। निर्णय सोच-समझकर लें और जल्दबाजी से बचें।

किराए के घर में सुख-शांति के लिए आसान वास्तु उपाय

यूनिक समय, मथुरा। आज के समय में अधिकतर लोग नौकरी, पढ़ाई या काम के कारण किराए के घर में रहते हैं। ऐसे में यह जरूरी नहीं कि वास्तु के नियम केवल अपने घर पर ही लागू हों। किराए के घर में भी कुछ आसान और छोटे-छोटे वास्तु उपाय अपनाकर सुख-शांति और सकारात्मक ऊर्जा लाई जा सकती है।

सबसे पहले घर की साफ-सफाई पर ध्यान देना बेहद जरूरी है, क्योंकि स्वच्छता से सकारात्मक ऊर्जा बढ़ती है और नकारात्मकता दूर होती है। घर में टूटी-फूटी या बेकार चीजें नहीं रखनी चाहिए। मुख्य दरवाजे को हमेशा साफ और रोशनी से भरा रखें तथा उस पर स्वास्तिक या ॐ जैसे शुभ चिन्ह लगाना शुभ माना जाता है। पूजा स्थान को घर की उत्तर-पूर्व दिशा यानी ईशान कोण में रखना सबसे अच्छा माना जाता है। सोते समय सिर दक्षिण या पूर्व दिशा की ओर रखें और उत्तर दिशा की ओर सिर करके सोने से बचें। रसोई में अग्नि और जल तत्व का संतुलन बनाए रखना जरूरी है। घर में तुलसी या हरे पौधे लगाने से वातावरण शुद्ध और शांत रहता है, जबकि कांटेदार पौधों से बचना चाहिए।

बुधवार और शुक्रवार को खरीदारी मानी जाती है सबसे शुभ

यूनिक समय, मथुरा। कपड़े हमारी जीवनशैली का अहम हिस्सा हैं, लेकिन ज्योतिष शास्त्र में इन्हें केवल पहनावे तक सीमित नहीं माना गया है। मान्यता है कि हम किस दिन नए कपड़े खरीदते या पहनते हैं, इसका सीधा असर हमारे जीवन की ऊर्जा, भाग्य और मानसिक स्थिति पर पड़ सकता है। इसलिए सही दिन पर कपड़ों की खरीदारी करना शुभ फल देने वाला माना जाता है।

ज्योतिष के अनुसार सप्ताह के कुछ दिन ऐसे होते हैं जिन्हें नए कपड़े खरीदने के लिए अत्यंत शुभ माना गया है। इनमें बुधवार, गुरुवार और शुक्रवार प्रमुख हैं। खासकर शुक्रवार का दिन सबसे श्रेष्ठ माना जाता है क्योंकि यह सुख, ऐश्वर्य और समृद्धि का प्रतीक है। इस दिन खरीदे गए कपड़े लंबे समय तक टिकते हैं और जीवन में सकारात्मकता बढ़ाते हैं। माना जाता है कि इन दिनों की गई खरीदारी व्यक्ति के आत्मविश्वास और भाग्य को मजबूत करती है।

वहीं, कुछ दिन ऐसे भी हैं जब कपड़ों की खरीदारी से बचने की सलाह दी जाती है।

मंगलवार, शनिवार और रविवार को नए वस्त्र खरीदना शुभ नहीं माना गया है। शनिवार को विशेष रूप से अशुभ माना जाता है क्योंकि इस दिन खरीदे गए कपड़े मानसिक तनाव और बाधाओं का कारण बन सकते हैं। रविवार को खरीदारी से भी परहेज करने की सलाह दी जाती है, क्योंकि इससे ऊर्जा असंतुलित होने की मान्यता है।

सिर्फ खरीदारी ही नहीं, नए कपड़े पहनने के दिन भी ज्योतिष में महत्वपूर्ण माने गए हैं। बुधवार, गुरुवार और शुक्रवार को नए वस्त्र धारण करना सबसे शुभ होता है। इन दिनों कपड़े पहनने से व्यक्ति के भीतर सकारात्मक ऊर्जा बढ़ती है और आत्मविश्वास में वृद्धि होती है। ऐसा माना जाता है कि इन दिनों नए कपड़े पहनने से कार्यों में सफलता मिलने की संभावना बढ़ जाती है।

मंगलवार को नए कपड़े पहनने से क्रोध बढ़ने की संभावना मानी जाती है, जबकि रविवार को इसे तनाव और रोग से जोड़कर देखा जाता है। शनिवार को नए कपड़े पहनना भी शुभ नहीं माना जाता क्योंकि इससे मान-सम्मान और कार्यों में बाधा आने की मान्यता है।

हालांकि, ये सभी मान्यताएं परंपराओं और ज्योतिषीय विश्वासों पर आधारित हैं। व्यक्ति अपनी सुविधा और परिस्थिति के अनुसार भी निर्णय ले सकता है, लेकिन श्रद्धा और परंपरा के अनुसार सही दिन पर कपड़ों की खरीदारी और पहनावा जीवन में सकारात्मकता बढ़ाने वाला माना गया है।

सम्पादकीय

इमरान खान प्रकरण से पाकिस्तान में सियासी उथलपुथल

पाकिस्तान की राजनीति एक बार फिर ऐसे मोड़ पर आ खड़ी हुई है जहाँ सत्ता, कूटनीति और अंतरराष्ट्रीय प्रभाव एक–दूसरे में उलझते दिखाई दे रहे हैं। पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान को लेकर सामने आए कथित लीक राजनयिक केबल ने न केवल पाकिस्तान की आंतरिक राजनीति में हलचल बढ़ाई है, बल्कि वैश्विक कूटनीतिक रिश्तों पर भी नए सवाल खड़े कर दिए हैं। यह दावा कि इमरान खान की सरकार के पतन के पीछे किसी अमेरिकी भूमिका का संकेत मौजूद था, अपने आप में बेहद संवेदनशील है। हालांकि यह बात भी उतनी ही महत्वपूर्ण है कि इस तरह के आरोप लंबे समय से पाकिस्तान की राजनीतिक बहस का हिस्सा रहे हैं। इमरान खान स्वयं भी बार–बार यह कहते रहे हैं कि उनकी स्वतंत्र विदेश नीति, विशेषकर रूस और चीन के साथ संतुलन बनाने की कोशिश, पश्चिमी शक्तियों को असहज कर रही थी। दूसरी ओर, पाकिस्तान की अन्य प्रमुख राजनीतिक पार्टियाँ–जैसे पाकिस्तान मुस्लिम लीग (नवाज़) और पाकिस्तान पीपल्स पार्टी–इन आरोपों को सिरे से खारिज करती रही हैं। उनका तर्क है कि इमरान खान की सरकार का पतन पूरी तरह आंतरिक राजनीतिक अस्थिरता, आर्थिक संकट और संसदीय गणित का परिणाम था। लीक हुए दस्तावेज में जिस "कूटनीतिक संकेत" की चर्चा है, वह अगर सही भी माना जाए तो उसे सीधे सत्ता परिवर्तन का प्रमाण मान लेना जल्दबाज़ी होगी। अंतरराष्ट्रीय संबंधों में संवाद और दबाव की भाषा अक्सर जटिल होती है, जिसे केवल एक दृष्टिकोण से समझना सही नहीं माना जा सकता। हालाँकि इस पूरे घटनाक्रम का सबसे बड़ा प्रभाव पाकिस्तान की राजनीतिक स्थिरता पर पड़ सकता है। पहले से ही आर्थिक संकट और सुरक्षा चुनौतियों से जूझ रहा पाकिस्तान अब एक नए विश्वास संकट की ओर बढ़ सकता है। जनता के बीच यह धारणा गहराने का खतरा है कि देश की आंतरिक राजनीति बाहरी ताकतों से प्रभावित होती है। इमरान खान की गिरफ्तारी और उनके खिलाफ चल रहे मामलों ने इस बहस को और भी तीखा बना दिया है। उनके समर्थक इसे राजनीतिक प्रतिशोध और अंतरराष्ट्रीय दबाव का परिणाम मानते हैं, जबकि विरोधी इसे कानून और संविधान की प्रक्रिया बताते हैं। इस पूरे प्रकरण का सबसे महत्वपूर्ण पहलू यह है कि यह केवल एक व्यक्ति या सरकार का मामला नहीं है, बल्कि यह पाकिस्तान की उस व्यापक समस्या को उजागर करता है जिसमें लोकतांत्रिक संस्थाएँ, सैन्य प्रभाव और अंतरराष्ट्रीय संबंध एक–दूसरे से लगातार टकराते रहते हैं। कहा जा सकता है कियह मामला जितना राजनीतिक है, उतना ही कूटनीतिक भी है। और जब तक ठोस प्रमाण सार्वजनिक नहीं होते, तब तक इसे पूरी तरह एक पक्षीय सत्य मान लेना उचित नहीं होगा।

पवन गौतम
संपादक

स्कैन करें

संपादकीय सुनने के लिए मोबाइल से QR कोड को स्कैन करें।

नजरिया

अमेरिका–चीन रिश्ते से बदलते वैश्विक समीकरण

बोध प्रकाश सगुणी

अमेरिका–चीन दुनिया की राजनीति इस समय एक ऐसे मोड़ पर खड़ी है, जहाँ हर नई कूटनीतिक हलचल वैश्विक शक्ति–संतुलन को प्रभावित करने की क्षमता रखती है। ऐसे दौर में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के बीच बढ़ती संवाद–प्रक्रिया को केवल सामान्य कूटनीतिक गतिविधि मानना बड़ी भूल होगी। यह संवाद उस बदलती वैश्विक व्यवस्था का संकेत है, जिसमें महाशक्तियाँ अपने हितों को बचाने के लिए नए समीकरण गढ़ रही हैं।

अमेरिका और चीन दुनिया की दो सबसे बड़ी आर्थिक, तकनीकी और सामरिक ताकतें हैं। बीते कुछ वर्षों में दोनों देशों के बीच व्यापार युद्ध, तकनीकी प्रतिबंध, ताइवान विवाद और इंडो–पैसिफिक रणनीति को लेकर गहरा तनाव देखने को मिला। लेकिन अब दोनों देशों के बीच बढ़ती बातचीत यह संकेत दे रही है कि कट्टर प्रतिस्पर्धा के बावजूद व्यावहारिक सहयोग की गुंजाइश बनाई जा रही है।

दरअसल, वर्तमान वैश्विक परिस्थितियों ने अमेरिका और चीन दोनों को यह महसूस कराया है कि लगातार टकराव की स्थिति केवल आर्थिक नुकसान ही नहीं पहुंचा रही, बल्कि उनकी वैश्विक नेतृत्व क्षमता पर भी सवाल खड़े कर रही है। यूक्रेन युद्ध, पश्चिम एशिया में अस्थिरता, वैश्विक मंदी की आशंका, ऊर्जा संकट और आपूर्ति श्रृंखला में आई बाधाओं ने दुनिया की अर्थव्यवस्था को हिला दिया है। ऐसे में दोनों महाशक्तियाँ यह समझ चुकी हैं कि सीमित सहयोग के बिना वैश्विक स्थिरता संभव नहीं है।

अमेरिका लंबे समय से स्वयं को विश्व व्यवस्था का सबसे बड़ा संरक्षक मानता रहा है, लेकिन पिछले कुछ वर्षों में उसकी रणनीतिक चुनौतियाँ बढ़ी हैं। रूस–यूक्रेन युद्ध ने अमेरिका के संसाधनों पर दबाव डाला है, जबकि चीन लगातार आर्थिक और तकनीकी विस्तार के माध्यम से अपनी पकड़ मजबूत कर रहा है। दूसरी ओर, चीन भी यह समझता है कि अमेरिकी बाजार और पश्चिमी निवेश उसके आर्थिक विकास के लिए अभी भी बेहद महत्वपूर्ण हैं। यही कारण है कि दोनों देश पूर्ण टकराव की बजाय नियंत्रित प्रतिस्पर्धा की दिशा में बढ़ते दिखाई दे रहे हैं। यदि अमेरिका और चीन के रिश्तों में नरमी आती है, तो इसका सबसे पहला असर वैश्विक बाजारों पर दिखाई देगा। पिछले कुछ वर्षों में अमेरिका–चीन व्यापार युद्ध ने दुनिया की सप्लाई चेन को बुरी तरह प्रभावित किया था। सेमीकंडक्टर, इलेक्ट्रॉनिक्स, ऑटोमोबाइल और ऊर्जा क्षेत्रों में भारी अस्थिरता देखी गई। निवेशकों का भरोसा कमजोर हुआ और कई देशों की अर्थव्यवस्थाएँ प्रभावित हुईं। अब यदि दोनों देश व्यापारिक प्रतिबंधों में नरमी लाते हैं, तो वैश्विक निवेश माहौल बेहतर हो सकता है। ऊर्जा बाजार भी इस बदलाव से अछूता नहीं रहेगा। अमेरिका और चीन दोनों ही दुनिया के बड़े ऊर्जा उपभोक्ता हैं। यदि दोनों के बीच सहयोग बढ़ता है, तो तेल कीमतों में अनिश्चि तता कम हो सकती है। पश्चिम एशिया में तनाव कम करने के लिए संयुक्त दबाव की संभावना भी बढ़ सकती है। इसका असर वैश्विक मुद्रास्फीति और ऊर्जा लागत पर सकारात्मक रूप से पड़ सकता है। हालांकि, यह मान लेना कि अमेरिका और चीन के बीच स्थायी मित्रता स्थापित हो जाएगी, वास्तविकता से दूर होगा। दोनों देशों के बीच प्रतिस्पर्धा केवल आर्थिक नहीं, बल्कि वैचारिक और सामरिक भी है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता,क्वांटम कंप्यूटिंग, साइबर सुरक्षा, 5जी तकनीक और सैन्य आधुनिकीकरण जैसे क्षेत्रों में दोनों देश एक–दूसरे से आगे निकलने की होड़ में लगे हैं। इंडो–पैसिफिक क्षेत्र में प्रभाव बढ़ाने की प्रतिस्पर्धा भी लगातार जारी है। ताइवान का मुद्दा इस संबंध का सबसे संवेदनशील पहलू बना रहेगा। चीन ताइवान को अपना हिस्सा मानता है, जबकि अमेरिका ताइवान को सामरिक सहयोग प्रदान करता रहा है। यदि दोनों देशों के बीच संवाद बढ़ता है, तो ताइवान को लेकर तत्काल तनाव कुछ कम हो सकता है, लेकिन यह विवाद पूरी तरह समाप्त होने की संभावना बेहद कम है। दक्षिण चीन सागर में भी शक्ति प्रदर्शन की राजनीति जारी रहने के संकेत हैं। इस बदलते समीकरण का प्रभाव रूस पर भी पड़ेगा। रूस और चीन पिछले कुछ वर्षों में पश्चिमी दबाव के खिलाफ एक–दूसरे के करीब आए हैं। ऊर्जा, रक्षा और रणनीतिक सहयोग के क्षेत्र में दोनों देशों ने मजबूत साझेदारी विकसित की है। यदि अमेरिका और चीन के संबंधों में सुधार होता है, तो रूस की सामरिक उपयोगिता कुछ हद तक कम हो सकती है। हालांकि चीन रूस को पूरी तरह छोड़ने की स्थिति में नहीं होगा, क्योंकि उसे ऊर्जा सुरक्षा और पश्चिमी दबाव के खिलाफ संतुलन बनाए रखने के लिए रूस की आवश्यकता बनी रहेगी। यूरोप के लिए यह स्थिति राहत और चिंता दोनों लेकर आ सकती है। यूरोपीय देश लंबे समय से अमेरिका–चीन तनाव के कारण प्रभावित वैश्विक व्यापार से परेशान रहे हैं। ऐसे में यदि दोनों महाशक्तियाँ तनाव कम करती हैं, तो यूरोपीय अर्थव्यवस्था को राहत मिल सकती है। लेकिन साथ ही यूरोप को यह डर भी रहेगा कि कहीं अमेरिका चीन के साथ अपने हित साधने के लिए यूरोपीय प्राथमिकताओं को पीछे न छोड़ दे। भारत के लिए यह परिदृश्य सबसे अधिक महत्वपूर्ण और जटिल साबित हो सकता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत ने पिछले कुछ वर्षों में वैश्विक मंच पर संतुलनकारी शक्ति के रूप में अपनी स्थिति मजबूत की है। अमेरिका भारत को इंडो–पैसिफिक रणनीति का अहम साझेदार मानता है, जबकि चीन भारत को एशिया में संभावित प्रतिस्पर्धी के रूप में देखता है। यदि अमेरिका चीन के प्रति अपेक्षाकृत नरम रुख अपनाता है, तो भारत पर चीन–विरोधी रणनीतिक दबाव कम हो सकता है। इससे क्वाड जैसे समूहों की धार कुछ कमजोर पड़ सकती है। दूसरी ओर, वैश्विक व्यापार स्थिर होने से भारतीय निर्यात और विनिर्माण क्षेत्र को लाभ मिलने की संभावना भी बढ़ेगी। भारत "चीन प्लस वन" रणनीति के तहत वैकल्पिक विनिर्माण केंद्र के रूप में अपनी स्थिति और मजबूत कर सकता है। लेकिन चुनौतियाँ भी कम नहीं होंगी। यदि चीन को अमेरिका के साथ बेहतर संबंधों का भरोसा मिलता है, तो वह सीमा विवादों और क्षेत्रीय मुद्दों पर अधिक आत्मविश्वासी रुख अपना सकता है। यही कारण है कि भारत को अपनी सामरिक स्वायत्तता बनाए रखते हुए बहुध्रुवीय कूटनीति को और मजबूत करना होगा। दरअसल, आज की दुनिया शीत युद्ध जैसी दोध्रुवीय व्यवस्था से आगे बढ़ चुकी है। अब केवल अमेरिका ही वैश्विक निर्णयों का केंद्र नहीं रहा। चीन खुलकर वैश्विक नेतृत्व की आकांक्षा जता रहा है। भारत तेजी से उभरती शक्ति है। रूस अभी भी सामरिक प्रभाव बनाए हुए है। यूरोप अपनी स्वतंत्र रणनीतिक पहचान तलाश रहा है, जबकि खाड़ी देश आर्थिक और ऊर्जा राजनीति के केंद्र में आ चुके हैं। यही कारण है कि ट्रंप–जिनपिंग संवाद को केवल द्विपक्षीय रिश्तों के संदर्भ में नहीं देखा जा सकता। यह उस नई विश्व व्यवस्था का संकेत है, जिसमें महाशक्तियाँ टकराव और सहयोग दोनों को साथ लेकर चलना चाहती हैं। आने वाले वर्षों में यह स्पष्ट होगा कि यह संबंध वास्तविक स्थिरता की दिशा में बढ़ते हैं या केवल रणनीतिक मजबूरी के कारण अस्थायी समझौते तक सीमित रहते हैं। फिलहाल इतना तय है कि अमेरिका और चीन के बीच बढ़ती बातचीत ने दुनिया को यह संदेश दे दिया है कि वैश्विक राजनीति अब केवल सैन्य ताकत से नहीं, बल्कि आर्थिक निर्भरता, तकनीकी क्षमता और रणनीतिक संतुलन से संचालित होगी। ऐसे में भारत सहित दुनिया के तमाम देशों को बदलते वैश्विक समीकरणों को समझते हुए अपनी विदेश नीति और आर्थिक रणनीतियों को नए सिरे से तैयार करना होगा।

विचार विण्डो

तीर्थस्थलों में असमान विकास का बढ़ता सवाल

योगेन्द्र त्यागी

भारत की पहचान उसकी सांस्कृतिक विरासत, धार्मिक आस्था और तीर्थ परंपरा से गहराई से जुड़ी हुई है। काशी, अयोध्या, केदारनाथ, वैष्णो देवी, मथुरा–वृंदावन, प्रयागराज, सोमनाथ, रामेश्वरम और तिरुपति जैसे तीर्थस्थल न केवल आध्यात्मिक केंद्र हैं, बल्कि देश की सामाजिक और आर्थिक संरचना का भी महत्वपूर्ण हिस्सा हैं। लेकिन इन तीर्थस्थलों के विकास को लेकर पिछले कुछ वर्षों में एक गंभीर प्रश्न उभरकर सामने आया है–क्या विकास समान रूप से सभी तीर्थस्थलों तक पहुँच रहा है या फिर यह चयनित क्षेत्रों तक सीमित हो गया है?

वर्तमान समय में काशी के विकास को जिस पैमाने पर देखा जा रहा है, वह अपने आप में अभूतपूर्व है। सड़क, घाटों का सौंदर्यीकरण, कनेक्टिविटी प्रोजेक्ट्स और धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा देने वाली योजनाओं ने वाराणसी को एक वैश्विक पहचान दी है। लेकिन इसी के समानांतर देश के अन्य प्रमुख तीर्थस्थलों की स्थिति अपेक्षाकृत कमजोर दिखाई देती है। यह असंतुलन केवल प्रशासनिक प्राथमिकताओं का प्रश्न नहीं है, बल्कि यह एक व्यापक नीति बहस को जन्म देता है कि क्या धार्मिक स्थलों के विकास में समान दृष्टिकोण अपनाया जा रहा है या नहीं।

वैष्णो देवी के आधार क्षेत्र कटरा में भूस्खलन, भारी बारिश और बुनियादी सुविधाओं की कमी लंबे समय से चुनौती बनी हुई है। यहाँ आने वाले श्रद्धालुओं की संख्या लगातार बढ़ रही है, लेकिन सड़क, जल आपूर्ति, पार्किंग और आपदा प्रबंधन जैसी व्यवस्थाएँ अभी भी दबाव में हैं। इसी तरह, अयोध्या में राम मंदिर निर्माण के बाद तीर्थयात्रियों की संख्या में भारी वृद्धि हुई है, लेकिन स्थानीय स्तर पर स्वास्थ्य, स्वच्छता और शहरी ढांचे पर दबाव भी उतना ही बढ़ा है। विस्थापन, भीड़ प्रबंधन और पर्यावरणीय संतुलन जैसे मुद्दे अब गंभीर चुनौती बनते जा रहे हैं।

केदारनाथ और रुद्रप्रयाग जैसे हिमालयी क्षेत्रों में प्राकृतिक आपदाओं का खतरा हमेशा बना रहता है। भूस्खलन, जलस्त्रोतों की कमी और संपर्क मार्गों की बाधाएँ स्थानीय जीवन और तीर्थयात्रा दोनों को प्रभावित करती हैं। यहाँ विकास की गति प्राकृतिक सीमाओं और पर्यावरणीय संवेदनशीलता के कारण भी धीमी रहती है, लेकिन बुनियादी सुविधाओं की कमी इसे और जटिल बना देती है।

हरिद्वार और प्रयागराज जैसे धार्मिक शहरों में बढ़ता शहरीकरण एक नई समस्या पैदा कर रहा है। नालों पर अतिक्रमण, जलभराव, कचरा प्रबंधन की कमी और भीड़ नियंत्रण की चुनौती लगातार बढ़ रही है। कुंभ जैसे बड़े आयोजनों के दौरान व्यवस्थाओं पर अत्यधिक दबाव पड़ता है, जिससे स्थायी समाधान की आवश्यकता और अधिक स्पष्ट हो जाती है।

दक्षिण भारत में रामेश्वरम और तिरुपति जैसे तीर्थस्थलों की स्थिति भी अलग नहीं है। रामेश्वरम में सड़क, आवास और स्वच्छता सुविधाओं की कमी पर्यटन अनुभव को प्रभावित करती है, जबकि तिरुपति क्षेत्र में यातायात जाम, सीमित शहरी विस्तार और रोजगार की कमी स्थानीय विकास को बाधित करती है। सोमनाथ और द्वारका जैसे पश्चिमी तटीय तीर्थस्थलों में भी प्राकृतिक आपदाओं का जोखिम, स्वच्छता और स्थानीय बुनियादी ढांचे की चुनौतियाँ बनी रहती हैं।

इन सभी उदाहरणों से यह स्पष्ट होता है कि भारत के प्रमुख तीर्थस्थलों के विकास में एक समान गति और समान दृष्टिकोण नहीं दिखाई देता। कुछ स्थानों पर अत्यधिक निवेश और तीव्र विकास हुआ है, जबकि अन्य स्थान अभी भी बुनियादी सुविधाओं के लिए संघर्ष कर रहे हैं। यह असंतुलन केवल संसाधनों का प्रश्न नहीं है, बल्कि यह नीति–निर्माण की प्राथमिकताओं और क्षेत्रीय संतुलन की कमी को भी दर्शाता है।

हाांकि यह भी सच है कि हर तीर्थस्थल की भौगोलिक, पर्यावरणीय और सामाजिक परिस्थितियाँ अलग–अलग हैं, इसलिए एक समान विकास मॉडल सभी जगह लागू करना संभव नहीं है। लेकिन न्यूनतम बुनियादी सुविधाओं, आपदा प्रबंधन, स्वच्छता, स्वास्थ्य सेवाओं और यातायात व्यवस्था में समानता सुनिश्चित करना एक आवश्यक लक्ष्य होना चाहिए।

आज आवश्यकता इस बात की है कि तीर्थस्थलों को केवल धार्मिक पर्यटन के केंद्र के रूप में नहीं, बल्कि समग्र विकास मॉडल के रूप में देखा जाए।

यदि भारत को अपनी सांस्कृतिक विरासत को वैश्विक स्तर पर स्थापित करना है, तो इन स्थलों के विकास में संतुलन और समानता लाना अनिवार्य होगा।

अंततः यह प्रश्न केवल विकास का नहीं, बल्कि नीति की निष्पक्षता और राष्ट्रीय दृष्टिकोण का है–क्या आस्था के इन केंद्रों को समान अवसर और समान विकास मिल रहा है या नहीं।

बीसीसीआई को आरटीआई से मिली राहत

सीआईसी ने बदला 2018 का फैसला कहा बोर्ड 'पब्लिक अथॉरिटी' नहीं

यूनिक समय, नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) को लेकर केंद्रीय सूचना आयोग (सीआईसी) ने बड़ा फैसला सुनाया है। आयोग ने अपने पुराने निर्णय को बदलते हुए साफ कर दिया कि बीसीसीआई सूचना का अधिकार अधिनियम (आरटीआई) के दायरे में नहीं आता। इसके साथ ही बोर्ड को 'पब्लिक अथॉरिटी' मानने वाला 2018 का फैसला प्रभावहीन हो गया है।

दरअसल, साल 2018 में सीआईसी ने अपने एक आदेश में कहा था कि बीसीसीआई एक सार्वजनिक संस्था की तरह काम करता है, इसलिए उसे आरटीआई कानून के तहत जवाबदेह होना चाहिए। उस समय आयोग ने तर्क दिया था कि भारतीय टीम देश का प्रतिनिधित्व करती है, खिलाड़ियों की जर्सी पर भारत का नाम होता है और बोर्ड को सरकार से विभिन्न स्तरों पर सहयोग भी मिलता है। इसलिए जनता को बोर्ड से जुड़ी जानकारी पाने का अधिकार होना चाहिए।

हालांकि बीसीसीआई ने इस फैसले का विरोध करते हुए खुद को एक स्वायत्त और निजी संस्था बताया था। बोर्ड ने सीआईसी के आदेश को अदालत में चुनौती दी थी। बाद में मद्रास हाईकोर्ट ने मामले को दोबारा विचार के लिए आयोग के पास भेज दिया। अदालत ने सुप्रीम कोर्ट के पुराने फैसलों और कानूनी पहलुओं को ध्यान में रखते हुए नए सिरे से सुनवाई करने का निर्देश दिया था।

अब सूचना आयुक्त पी.आर. रमेश ने अपने ताजा फैसले में कहा है कि बीसीसीआई आरटीआई एक्ट की धारा 2(एच) के तहत 'पब्लिक अथॉरिटी' नहीं माना जा सकता। इसलिए बोर्ड पर आरटीआई के तहत सूचनाएं साझा करने की बाध्यता नहीं होगी।

आयोग ने अपने आदेश में सुप्रीम कोर्ट के कई पुराने फैसलों का हवाला भी दिया। इसमें कहा गया कि लोढ़ा समिति की सिफारिशों के तहत बीसीसीआई में पारदर्शिता और सुधारों की बात जरूर कही गई थी, लेकिन अदालत ने कभी बोर्ड को सार्वजनिक प्राधिकरण घोषित नहीं किया।

यह मामला तब शुरू हुआ था जब खेल मंत्रालय के पास दाखिल एक आरटीआई आवेदन में बीसीसीआई से जुड़ी जानकारी मांगी गई थी। मंत्रालय ने जवाब दिया था कि बोर्ड आरटीआई के दायरे में नहीं आता, इसलिए जानकारी साझा नहीं की जा सकती।

'महाभारत' के छोटे कान्हा और बलराम ने एक्टिंग छोड़ चुनी अलग राह

38 साल बाद बदल गई दोनों कलाकारों की जिंदगी

यूनिक समय, नई दिल्ली। बीआर चोपड़ा की 'महाभारत' भारतीय टेलीविजन का ऐसा ऐतिहासिक धारावाहिक है, जिसे आज भी दर्शक बड़े भाव से याद करते हैं। इस शो के कई कलाकार बाद में टीवी और फिल्म इंडस्ट्री के बड़े सितारे बने, लेकिन इसमें नजर आए छोटे कृष्ण और बलराम की मासूम छवि आज भी लोगों के दिलों में बसी हुई है। अब 38 साल बाद ये दोनों कलाकार पूरी तरह बदल चुके हैं और अपनी-अपनी दुनिया में अलग पहचान बना चुके हैं।

'महाभारत' में छोटे कान्हा का किरदार किसी लड़के ने नहीं, बल्कि शंपा गोपीकृष्ण ने निभाया था। अपनी प्यारी मुस्कान और मासूम अभिनय से उन्होंने दर्शकों का दिल जीत लिया था। शंपा प्रसिद्ध कथक नर्तक और पद्मश्री गोपी कृष्ण की बेटी हैं। अभिनय के बाद उन्होंने डांस और कोरियोग्राफी की दुनिया में अपना करियर बनाया।

शंपा टीवी के लोकप्रिय डांस रियलिटी शोज 'झलक दिखला जा' और 'डांस इंडिया डांस' से खास पहचान बना चुकी हैं। उन्होंने सुशांत सिंह राजपूत, सिद्धार्थ शुक्ला और गुरमीत चौधरी जैसे सितारों को कोरियोग्राफ किया। गुरमीत के साथ उन्होंने 'झलक दिखला जा सीजन 5' का खिताब भी जीता था। इसके अलावा संजय लीला भंसाली की फिल्म 'राम-लीला' के चर्चित गाने 'अंग लगा दे' की कोरियोग्राफी भी शंपा ने की थी।

वहीं 'महाभारत' में छोटे बलराम की भूमिका निभाने वाले आकाश भारद्वाज भी अब काफी बदल चुके हैं। आकाश ने अभिनय के साथ-साथ संगीत की दुनिया में भी कदम रखा। वह लाइव सिंगिंग परफॉर्मेंस और वॉइस ओवर प्रोजेक्ट्स से जुड़े रहे हैं। सोशल मीडिया पर भी वह काफी सक्रिय रहते हैं और अपने म्यूजिक शो की झलकियां साझा करते हैं।

38 साल बाद दोनों कलाकारों ने अपनी जिंदगी की दिशा बदल ली है, लेकिन 'महाभारत' के छोटे कान्हा और बलराम के रूप में उनकी पहचान आज भी दर्शकों के दिलों में ताजा है।

आईपीएल 2026 में अभिषेक शर्मा और रिकल्टन भी पीछे

छक्कों के बादशाह बने वैभव सूर्यवंशी

यूनिक समय, नई दिल्ली। राजस्थान रॉयल्स के युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी भले ही पिछले कुछ मुकाबलों में बड़ी पारियां नहीं खेल पाए हों, लेकिन उनकी आक्रामक बल्लेबाजी ने आईपीएल 2026 में अलग पहचान बना दी है। खासकर छक्के लगाने के मामले में वैभव इस सीजन बाकी बल्लेबाजों से काफी आगे निकल गए हैं।

वैभव ने इस सीजन 12 मैचों में 43 छक्के जड़ दिए हैं, जो अब तक किसी भी बल्लेबाज द्वारा लगाए गए सबसे ज्यादा सिक्स हैं। सनराइजर्स हैदराबाद के अभिषेक शर्मा 37 छक्कों के साथ दूसरे स्थान पर हैं, जबकि मुंबई इंडियंस के रियान रिकल्टन ने भी 37 छक्के लगाए हैं। हालांकि वैभव की बढ़त को देखते हुए उन्हें पीछे छोड़ना आसान नहीं माना जा रहा।

25 अप्रैल को सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ जयपुर में खेले गए मुकाबले में वैभव ने तूफानी शतक जड़कर सभी का ध्यान खींचा था। इसके बाद हालांकि उनके बल्ले से अर्धशतक नहीं निकला, लेकिन उन्होंने लगातार तेजतर्रार पारियां खेलीं। पंजाब किंग्स के खिलाफ 43 रन, गुजरात टाइटंस के खिलाफ 36 रन और दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ 46 रन की उपयोगी पारियां उनकी आक्रामक शैली का प्रमाण हैं। राजस्थान रॉयल्स फिलहाल अंक तालिका में छठे स्थान पर है और टीम के दो मुकाबले अभी बाकी हैं। यदि राजस्थान प्लेऑफ में पहुंचती है तो वैभव को और मैच खेलने का मौका मिलेगा, जिससे उनके छक्कों का आंकड़ा और बढ़ सकता है। कम उम्र में वैभव सूर्यवंशी ने जिस तरह का प्रदर्शन किया है, उसने उन्हें इस सीजन के सबसे खतरनाक बल्लेबाजों में शामिल कर दिया है।

नेटफ्लिक्स पर छाई नई क्राइम-थ्रिलर 'ग्लोरी'

यूनिक समय, नई दिल्ली। ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर हाल ही में रिलीज हुई क्राइम-थ्रिलर वेब सीरीज 'ग्लोरी' दर्शकों के बीच तेजी से लोकप्रिय हो रही है। एक्शन, सस्पेंस और दमदार कहानी से भरपूर यह सीरीज रिलीज के बाद से लगातार ट्रेंडिंग लिस्ट में बनी हुई है। कई दर्शक इसकी तुलना लोकप्रिय वेब सीरीज 'मिर्जापुर' से भी कर रहे हैं। 1 मई को रिलीज हुई 'ग्लोरी' में पुलकित सम्राट और 'मिर्जापुर' फेम दिव्येंदु शर्मा मुख्य भूमिकाओं में नजर आ रहे हैं। सीरीज में आशुतोष राणा, जन्नत जुबैर, सिकंदर खेर, सुविंदर विक्की और सयानी गुप्ता जैसे कलाकार भी अहम किरदार निभा रहे हैं। सीरीज की कहानी दो भाइयों देव और रवि के इर्द-गिर्द घूमती है, जो अपनी बहन गुड़िया पर हुए जानलेवा हमले और उसके बॉक्सर बॉयफ्रेंड निहाल सिंह की हत्या की सच्चाई जानने के लिए अपने घर लौटते हैं। कहानी में पारिवारिक रिश्तों,

एक्शन, सस्पेंस और मारधाड़ से भरपूर सीरीज को मिल रहा जबरदस्त रिस्पॉन्स

बदले और अपराध की दुनिया को रोमांचक अंदाज में दिखाया गया है।

सात एपिसोड वाली इस सीरीज का हर दृश्य सस्पेंस और एक्शन से भरपूर है। खासतौर पर इसका क्लाइमैक्स दर्शकों को चौंका देता है। यही वजह है कि 'ग्लोरी' ने नेटफ्लिक्स की टॉप ट्रेंडिंग लिस्ट में जगह बना ली है।

दर्शकों को सीरीज की तेज रफ्तार कहानी, दमदार अभिनय और एक्शन सीक्वेंस काफी पसंद आ रहे हैं। अगर आप क्राइम-थ्रिलर और सस्पेंस से भरपूर वेब सीरीज देखने के शौकीन हैं, तो 'ग्लोरी' आपके लिए शानदार विकल्प साबित हो सकती है।

मेजर पिता और आर्मी डॉक्टर मां का बेटा बना बॉलीवुड का खौफनाक विलेन

यूनिक समय, नई दिल्ली। 70-80 के दशक में बॉलीवुड में अपने दमदार विलेन किरदारों से पहचान बनाने वाले डैन धनोआ आज फिल्मों से दूर सुकूनभरी जिंदगी जी रहे हैं। 'मर्द', 'त्रिदेव', 'विश्वात्मा' और 'फूल और कांटे' जैसी फिल्मों में खलनायक बनकर छाने वाले डैन ने इंडस्ट्री की राजनीति से परेशान होकर अभिनय छोड़ दिया था।

डैन धनोआ का असली नाम इंद्रप्रीत सिंह धनोआ है। उनका जन्म जालंधर के एक सिख परिवार में हुआ था। उनके पिता मेजर जनरल सरदार सिंह धनोआ और मां कैप्टन डॉक्टर परमजीत कौर धनोआ थीं। माता-पिता चाहते थे कि बेटा डॉक्टर बने, लेकिन किस्मत उन्हें फिल्मी दुनिया में ले आई।

डैन ने मॉडलिंग से अपने करियर की शुरुआत की थी। इसी दौरान अभिनेता-निर्देशक फिरोज खान की नजर उन पर पड़ी और उन्होंने डैन को फिल्म 'जानबाज' के लिए

इंडस्ट्री की राजनीति से टूटा दिल, एक्टिंग छोड़ मर्चेंट नेवी में बने अफसर

साइन किया। हालांकि बाद में फिल्म ठंडे बस्ते में चली गई। इसके बाद मनमोहन देसाई की फिल्म 'मर्द' ने डैन धनोआ को स्टार विलेन बना दिया। फिल्म में उनका संवाद "मैं हूं जनरल डायर का बेटा डैनी" काफी लोकप्रिय हुआ था।

हालांकि 90 के दशक के बाद डैन ने फिल्मों से दूरी बना ली। एक इंटरव्यू में उन्होंने बताया था कि वह फिल्म इंडस्ट्री के तौर-तरीकों और राजनीति से परेशान हो गए थे।

फिल्मों को अलविदा कहने के बाद डैन ने मर्चेंट नेवी जॉइन की और नेवल अफसर के रूप में काम किया। अब वह चंडीगढ़ में पत्नी नंदिता पुरी के साथ 'एंकरेज 42' नाम का होमस्टे चलाते हैं। डैन पेंटिंग का भी शौक रखते हैं और शांत जीवन बिता रहे हैं।

योगी कैबिनेट के 12 बड़े प्रस्तावों को मंजूरी

पंचायत आरक्षण आयोग गठन को हरी झंडी

यूनिक समय, लखनऊ। लखनऊ में सोमवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट बैठक में 12 अहम प्रस्तावों को मंजूरी दी गई। बैठक में पंचायत चुनावों के लिए ओबीसी आरक्षण तय करने हेतु समर्पित पिछड़ा वर्ग आयोग के गठन पर मुहर लगी। आयोग में पांच सदस्य होंगे और इसकी अध्यक्षता हाईकोर्ट के सेवानिवृत्त न्यायाधीश करेंगे। आयोग छह महीने में अपनी रिपोर्ट सरकार को सौंपेगा।

कैबिनेट ने पशु चिकित्सा छात्रों के इंटर्नशिप भत्ते को 8 हजार से बढ़ाकर 12 हजार रुपये प्रतिमाह करने का फैसला भी लिया। इसके अलावा लखनऊ मेट्रो के चारबाग से बसंतकुंज कॉरिडोर परियोजना को मंजूरी दी गई।

सरकार ने डॉ. राम मनोहर लोहिया आयुर्विज्ञान संस्थान के नए परिसर में 1010 बेड के मल्टी स्पेशियलिटी इमरजेंसी अस्पताल, टीचिंग ब्लॉक और ओपीडी निर्माण को स्वीकृति दी है। इस

1010 बेड अस्पताल निर्माण को स्वीकृति

परियोजना पर करीब 855 करोड़ रुपये खर्च होंगे।

प्रयागराज के स्वरूप रानी नेहरू अस्पताल के विस्तार, आगरा मेट्रो कॉरिडोर-2 और मिर्जापुर में 2800 करोड़ रुपये की बिजली परियोजना को भी मंजूरी मिली। सरकार का कहना है कि इन फैसलों से स्वास्थ्य, परिवहन और बिजली व्यवस्था मजबूत होगी तथा आगामी पंचायत चुनावों की तैयारियों को नई दिशा मिलेगी।

मोबाइल में मिला भावुक नोट

मेरठ छात्रा हत्याकांड में सिरफिरा प्रेमी गिरफ्तार

यूनिक समय, मेरठ। मेरठ में बीए की छात्रा की हत्या के मामले में पुलिस ने मुख्य आरोपी और सिरफिरे प्रेमी अंकुश को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस पूछताछ में आरोपी ने हत्या की बात कबूल की है। बताया जा रहा है कि छात्रा और आरोपी के बीच पिछले तीन साल से दोस्ती थी, लेकिन दूसरे युवक से बातचीत को लेकर दोनों में विवाद चल रहा था। 15 मई को छात्रा परीक्षा देने घर से निकली थी, लेकिन वापस नहीं लौटी। दो दिन बाद उसका शव गन्ने के खेत में मिला। मामले के बाद परिवार ने हत्या और गैंगरेप का आरोप

तीन साल पुरानी दोस्ती बनी हत्या की वजह

लगाते हुए हंगामा किया था। पुलिस ने जांच के दौरान सीसीटीवी फुटेज खंगाले, जिसमें छात्रा आरोपी के साथ बाइक पर जाती दिखाई दी। पुलिस को छात्रा के मोबाइल से एक भावुक नोट भी मिला, जिसमें उसने भगवान से अपनी सुरक्षा की प्रार्थना की थी। फिलहाल पुलिस आरोपी के दो फरार साथियों की तलाश में जुटी है और पूरे मामले की जांच जारी है।

ट्रांसफार्मर ब्लास्ट के बाद भड़की आग

प्रयागराज के होटल में भीषण आग से मची अफरा-तफरी

यूनिक समय, प्रयागराज। उत्तर प्रदेश के प्रयागराज शहर में सोमवार दोपहर एक चार मंजिला होटल में भीषण आग लगने से हड़कंप मच गया। सिविल लाइंस इलाके स्थित बिट्ठल होटल की तीसरी और चौथी मंजिल पर आग तेजी से फैल गई। घटना के बाद पूरे इलाके में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। शुरुआती जानकारी के अनुसार होटल में करीब 12 लोग फंसे हुए थे, जिनमें से पांच लोगों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया है। बाकी लोगों को बचाने के लिए राहत और बचाव कार्य जारी है।

प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक होटल के पास लगे ट्रांसफार्मर में ब्लास्ट हुआ, जिसके बाद आग ने विकराल रूप ले लिया। होटल से करीब 10 फीट ऊंची लपटें उठती दिखाई दीं, जबकि धुएं का गुबार

दमकल टीम ने शुरू किया रेस्क्यू अभियान

दो किलोमीटर दूर से नजर आ रहा था। आग की चपेट में आकर होटल की लॉबी में खड़ी दो बाइकें भी जलकर राख हो गईं।

घटना की सूचना मिलते ही पुलिस, दमकल और एंबुलेंस की टीमें मौके पर पहुंचीं। आग बुझाने के लिए दमकल की आठ गाड़ियों को लगाया गया है। पुलिस ने आसपास की दुकानों और इमारतों को खाली करवा दिया है ताकि किसी बड़े हादसे से बचा जा सके।

फिलहाल दमकलकर्मी होटल में फंसे लोगों को निकालने और आग पर काबू पाने में जुटे हुए हैं। प्रशासन ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

यूपी के 33 जिलों में भीषण लू का अलर्ट

46 डिग्री पार पहुंचा कई शहरों का तापमान

यूनिक समय, लखनऊ। उत्तर प्रदेश में भीषण गर्मी और लू ने लोगों की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। मौसम विभाग ने सोमवार को प्रदेश के 33 जिलों में हीटवेव का अलर्ट जारी किया है। बुंदेलखंड समेत कई इलाकों में तापमान लगातार बढ़ रहा है और लोगों का घरों से निकलना मुश्किल हो गया है। प्रयागराज, बांदा, झांसी और हमीरपुर जैसे जिलों में तेज धूप और गर्म हवाओं ने जनजीवन प्रभावित कर दिया है।

पिछले 24 घंटों में बांदा देश का सबसे गर्म शहर रहा, जहां तापमान 46.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। झांसी में 44.6डिग्री, प्रयागराज में 44.5डिग्री और हमीरपुर में 44.2डिग्री तापमान रिकॉर्ड हुआ। मौसम विभाग ने लोगों को दोपहर के समय घर से बाहर न निकलने, अधिक पानी पीने और हल्के सूती कपड़े पहनने

योगी बोले- अफसर फील्ड में उतरें

की सलाह दी है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भी सभी जिलाधिकारियों, स्वास्थ्य विभाग और बिजली विभाग को अलर्ट मोड में रहने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने अधिकारियों से फील्ड में उतरकर संवेदनशील इलाकों की निगरानी करने और अस्पतालों में हीट स्ट्रोक मरीजों के इलाज की पूरी व्यवस्था रखने को कहा है।

प्रदेश में अगले पांच दिनों तक भीषण गर्मी का असर जारी रहने की संभावना है। मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार 23 मई तक तापमान में 3 से 4 डिग्री तक और बढ़ोतरी हो सकती है। वहीं पूर्वी उत्तर प्रदेश के कुछ इलाकों में हल्की बारिश के आसार भी जताए गए हैं।

शिक्षक भर्ती पर लखनऊ में प्रदर्शन

यूनिक समय, लखनऊ। लखनऊ में 69 हजार शिक्षक भर्ती मामले को लेकर अभ्यर्थियों का प्रदर्शन एक बार फिर तेज हो गया। रविवार को बड़ी संख्या में अभ्यर्थी शिक्षा मंत्री के आवास के बाहर पहुंचे और सड़क पर रेंगकर विरोध जताया। प्रदर्शनकारियों ने सरकार पर लंबे समय से मामले को लंबित रखने का आरोप लगाया। अभ्यर्थियों का कहना है कि पिछले छह वर्षों से भर्ती प्रक्रिया पूरी नहीं हो सकी, जिससे हजारों उम्मीदवार प्रभावित हैं। प्रदर्शन के दौरान कई अभ्यर्थी हाथों में पोस्टर लेकर न्याय की मांग करते नजर आए। प्रदर्शनकारियों ने चेतावनी दी कि यदि जल्द समाधान नहीं निकला तो वे मुख्यमंत्री आवास का घेराव भी करेंगे। अभ्यर्थियों ने सरकार से 19 मई को होने वाली कोर्ट सुनवाई में प्रभावी पैरवी करने की मांग की है। वहीं, मौके पर मौजूद पुलिस बल ने प्रदर्शनकारियों को समझाने और हटाने का प्रयास किया। इलाके में सुरक्षा व्यवस्था भी बढ़ा दी गई है।

हर पीड़ित को समाधान का भरोसा अधिकारियों को त्वरित कार्रवाई के निर्देश

यूनिक समय, लखनऊ। लखनऊ में सोमवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपने सरकारी आवास पर आयोजित जनता दर्शन कार्यक्रम में लोगों की समस्याएं सुनीं। बड़ी संख्या में पहुंचे फरियादियों ने स्वास्थ्य, जमीन विवाद, पुलिस कार्रवाई और सरकारी योजनाओं से जुड़ी शिकायतें मुख्यमंत्री के सामने रखीं।

सीएम योगी ने लोगों को भरोसा दिलाते हुए कहा कि किसी को घबराने की जरूरत नहीं है। सरकार हर समस्या का समाधान प्राथमिकता के आधार पर कराएगी। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी मामलों का समयबद्ध, पारदर्शी और संवेदनशील तरीके से निस्तारण

जनता दर्शन में सीएम योगी ने सुनी समस्याएं

सुनिश्चित किया जाए।

मुख्यमंत्री ने अधिकारियों से कहा कि पीड़ितों की शिकायतों को गंभीरता से लें और किसी भी स्तर पर लापरवाही न बरती जाए। जनता दर्शन में कई बुजुर्ग, महिलाएं और दिव्यांग भी अपनी समस्याएं लेकर पहुंचे थे।

सरकार की ओर से दावा किया गया कि जनता दर्शन कार्यक्रम आम लोगों और प्रशासन के बीच सीधा संवाद स्थापित करने का प्रभावी माध्यम बन चुका है, जिससे लोगों को त्वरित राहत मिल रही है।

लखीमपुर खीरी हादसे में दस लोगों की दर्दनाक मौत

हाईवे पर ट्रक-मैजिक की जोरदार भिड़ंत

यूनिक समय, लखीमपुर। लखीमपुर खीरी में सोमवार सुबह हुए भीषण सड़क हादसे ने पूरे इलाके को दहला दिया। ईसानगर थाना क्षेत्र में लखीमपुर-बहराइच हाईवे पर ट्रक और मैजिक वाहन की आमने-सामने टक्कर में 10 लोगों की मौत हो गई। हादसा सुबह करीब आठ बजे ऊंच गांव भरेहटा के पास हुआ।

टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि मैजिक वाहन पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। हादसे के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई। सूचना मिलते ही पुलिस और प्रशासन की टीम मौके पर पहुंची और राहत-बचाव कार्य शुरू किया। घायलों को तुरंत अस्पताल भेजा गया, लेकिन सभी यात्रियों की जान नहीं बच सकी। मृतकों में दो सगे भाई भी शामिल हैं।

दो सगे भाइयों समेत परिवार उजड़े

पुलिस के अनुसार, मैजिक लखीमपुर से सिसैया की ओर जा रही थी, जबकि ट्रक बहराइच दिशा से आ रहा था। हादसे के बाद ट्रक चालक मौके से फरार हो गया। प्रशासन ने मृतकों के परिजनों को सहायता देने का भरोसा दिया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भी घटना पर दुख जताते हुए मृतकों के परिवारों को दो-दो लाख रुपये की आर्थिक सहायता देने की घोषणा की है।

पश्चिम बंगाल में महिलाओं के लिए बड़ी घोषणाएं

महिलाओं को 3000 रुपये और मुफ्त बस सुविधा

यूनिक समय, नई दिल्ली। पश्चिम बंगाल सरकार ने महिलाओं के लिए एक बड़ा फैसला लेते हुए कई नई योजनाओं को मंजूरी दी है। मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट बैठक में यह निर्णय लिया गया कि राज्य की महिलाओं को आर्थिक और सामाजिक रूप से मजबूत बनाने के लिए विशेष कदम उठाए जाएंगे। सरकार द्वारा घोषित अन्नपूर्णा योजना के तहत महिलाओं को हर महीने 3000 रुपये की आर्थिक सहायता दी जाएगी। यह योजना 1 जून 2026 से पूरे राज्य में लागू होगी। इसका उद्देश्य महिलाओं की आर्थिक स्थिति को

सशक्त बनाना और उन्हें आत्मनिर्भर बनाना बताया गया है।

इसके साथ ही एक और महत्वपूर्ण फैसला लिया गया है, जिसके तहत राज्य की सरकारी बसों में महिलाओं को मुफ्त यात्रा की सुविधा दी जाएगी। यह सुविधा भी 1 जून 2026 से लागू होगी, जिससे महिलाओं को आवागमन में बड़ी राहत मिलेगी। सरकार का कहना है कि इन योजनाओं से महिलाओं के जीवन स्तर में सुधार होगा और उन्हें दैनिक खर्चों में मदद मिलेगी। साथ ही

अन्नपूर्णा योजना से मिलेगा आर्थिक लाभ

सरकारी बसों में महिलाओं की मुफ्त यात्रा

यह कदम महिला सशक्तिकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल माना जा रहा है। राज्य सरकार के अनुसार आने वाले समय में ऐसी और भी जनकल्याणकारी योजनाएं लागू की जा सकती हैं, जिससे समाज के विभिन्न वर्गों को लाभ मिल सके।

छात्र राजनीति से केरल के मुख्यमंत्री बने सतीशन

यूनिक समय, नई दिल्ली। कांग्रेस नेता वीडी सतीशन ने सोमवार को केरल के नए मुख्यमंत्री के रूप में शपथ लेकर राज्य की सत्ता संभाल ली। उनके साथ 20 मंत्रियों ने भी पद और गोपनीयता की शपथ ली। लंबे राजनीतिक अनुभव और संगठन में सक्रिय भूमिका के बाद कांग्रेस नेतृत्व ने उन्हें मुख्यमंत्री पद की जिम्मेदारी सौंपी है।

एर्नाकुलम जिले के नेट्टूर निवासी वीडी सतीशन ने छात्र राजनीति से अपने सार्वजनिक जीवन की शुरुआत की थी। छात्र संगठन में सक्रिय रहने के बाद उन्होंने कांग्रेस में अपनी मजबूत पहचान बनाई। पेशे से वकील रहे सतीशन ने 1990 के दशक में चुनावी राजनीति में कदम रखा और बाद में

कांग्रेस ने सतीशन पर जताया भरोसा

6 करोड़ से ज्यादा संपत्ति के मालिक

लगातार कई चुनाव जीतकर अपनी मजबूत पकड़ कायम की।

रिपोर्ट के अनुसार वीडी सतीशन की कुल संपत्ति करीब 6.65 करोड़ रुपये बताई गई है। हाल ही में हुए विधानसभा चुनाव में कांग्रेस नेतृत्व वाले गठबंधन को बड़ी जीत मिली, जिसके बाद उन्हें मुख्यमंत्री बनाया गया। शपथ ग्रहण समारोह में कांग्रेस के कई वरिष्ठ नेता और हजारों कार्यकर्ता मौजूद रहे।

सासाराम स्टेशन पर ट्रेन की बोगी में भीषण आग

यूनिक समय, नई दिल्ली। बिहार के सासाराम रेलवे स्टेशन पर सोमवार सुबह एक पैसेंजर ट्रेन की जनरल बोगी में अचानक आग लग गई। आग सासाराम–आरा–पटना पैसेंजर ट्रेन की डी–3 बोगी में लगी थी। घटना के समय ट्रेन प्लेटफॉर्म नंबर 6 पर खड़ी थी और कुछ ही देर में रवाना होने वाली थी। आग लगते ही यात्रियों में अफरा–तफरी मच गई और लोग जान बचाने के लिए ट्रेन से उतरकर प्लेटफॉर्म की ओर भागने लगे। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार पहले बोगी से धुआं निकलता दिखाई दिया, जिसके बाद तेज लपटें उठने लगीं। कई यात्री अपना सामान छोड़कर बाहर निकल आए। सूचना मिलते ही रेलवे कर्मचारी, आरपीएफ और फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर

सभी यात्रियों को सुरक्षित बाहर निकाला गया

फायर ब्रिगेड ने एक घंटे में पाया काबू

पहुंची और राहत कार्य शुरू किया गया।

करीब 20 से ज्यादा कर्मचारियों ने मिलकर आग बुझाने का प्रयास किया। दमकल कर्मियों ने लगभग एक घंटे की मशक्कत के बाद आग पर पूरी तरह काबू पा लिया। जिस बोगी में आग लगी थी उसे ट्रेन से अलग कर दिया गया है। शुरुआती जांच में शॉर्ट सर्किट या तकनीकी खराबी को आग का कारण माना जा रहा है। फिलहाल घटना की जांच जारी है।

ग्वालियर में फोम गोदाम में लगी भीषण आग

यूनिक समय, नई दिल्ली। मध्य प्रदेश के ग्वालियर शहर के सागरताल इलाके में सोमवार सुबह फोम और कबाड़ के गोदाम में भीषण आग लग गई। आग इतनी तेज थी कि उसकी गर्मी से पास स्थित जिम की कई मशीनें पिघल गईं। घटना के बाद इलाके में अफरा–तफरी मच गई और लोग घरों से बाहर निकल आए।

जानकारी के अनुसार सुबह करीब पांच बजे गोदाम में आग लगी। गोदाम में भारी मात्रा में फोम और कबाड़ रखा था, जिससे आग तेजी से फैल गई। सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड और पुलिस मौके पर पहुंची। करीब 15 दमकल गाड़ियों ने लगातार पानी की बौछार कर आग

15 दमकल गाड़ियों ने पाया काबू

तपिश से जिम की मशीनें पिघलीं

पर काबू पाया।

घटना स्थल के पास पेट्रोल पंप और मैरिज गार्डन भी मौजूद था। समय रहते आग पर नियंत्रण नहीं होता तो बड़ा हादसा हो सकता था। पुलिस ने आसपास के घरों को खाली करवाकर लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया। फिलहाल आग लगने के कारणों की जांच की जा रही है।

गया में विधायक काफिले पर हमला, मचा हड़कंप

रास्ता रोककर की गई कथित बदसलूकी

सुरक्षाकर्मियों संग मारपीट का लगाया आरोप

यूनिक समय, नई दिल्ली। बिहार के गया जिले में बाराचट्टी विधानसभा क्षेत्र की विधायक ज्योति मांझी के काफिले पर हमला होने का मामला सामने आया है। घटना मोहनपुर प्रखंड के गंभीरा गांव के पास की बताई जा रही है, जहां विधायक को रास्ते में रोककर बदसलूकी और सुरक्षाकर्मियों के साथ हाथापाई की गई। घटना के बाद इलाके में तनाव का माहौल बन गया।

जानकारी के अनुसार विधायक ज्योति मांझी एक सामाजिक कार्यक्रम में शामिल होने जा रही थीं। इसी दौरान एक सवारी वाहन ने उनके काफिले का रास्ता रोक दिया। आरोप है कि वाहन चालक ने जानबूझकर गाड़ी बीच सड़क पर खड़ी कर दी, जिससे

आवागमन बाधित हो गया। जब विधायक के अंगरक्षकों ने वाहन हटाने को कहा तो वाहन में सवार लोग विवाद करने लगे।

आरोप है कि करीब 15 से 20 लोगों ने सुरक्षाकर्मियों के साथ मारपीट की और विधायक के वाहन पर भी हमला किया। विधायक ने दावा किया कि हमलावरों ने अभद्र भाषा और जातिसूचक शब्दों का प्रयोग किया। घटना के दौरान वह अपने वाहन में ही बैठी रहीं और खुद को असुरक्षित महसूस करती रहीं। बाद में स्थानीय ग्रामीणों की मदद से विधायक और उनके समर्थकों को सुरक्षित निकाला गया। मामले में मोहनपुर थाना में प्राथमिकी दर्ज कराई गई है। पुलिस ने जांच शुरू कर दी है और आरोपियों की पहचान की जा रही है।

हरकी पैड़ी को बम धमकी, आरोपी गिरफ्तार

यूनिक समय, नई दिल्ली। उत्तराखंड के हरिद्वार स्थित प्रसिद्ध हरकी पैड़ी को बम से उड़ाने की धमकी मिलने के बाद पुलिस प्रशासन में हड़कंप मच गया। एक युवक ने पुलिस हेल्पलाइन नंबर 112 पर कॉल कर अगले चार दिनों के भीतर हरकी पैड़ी और आसपास के इलाकों को बम से उड़ाने की धमकी दी थी। सूचना मिलते ही पुलिस और सुरक्षा एजेंसियां अलर्ट हो गईं। पुलिस ने तुरंत कॉल ट्रेस कर आरोपी को हिरासत में लिया। जांच में आरोपी की पहचान पौड़ी जिले के यमकेश्वर निवासी सोहन सिंह रावत के रूप में हुई। पूछताछ के दौरान युवक ने स्वीकार किया कि उसने शराब के नशे में यह कॉल की थी। इसके बाद पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर उसे जेल भेज दिया।

नीट पेपर लीक मामले में सीबीआई की बड़ी कार्रवाई

लातूर से कोचिंग संचालक गिरफ्तार

यूनिक समय, नई दिल्ली। नीट यूजी 2026 पेपर लीक मामले में सीबीआई ने बड़ी कार्रवाई करते हुए महाराष्ट्र के लातूर से एक कोचिंग संचालक को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपी की पहचान शिवराज रघुनाथ मोटेगांवकर के रूप में हुई है, जो "रेणुकाई केमिस्ट्री क्लासेस" नाम से कोचिंग संस्थान चलाता है। जांच एजेंसी के अनुसार पेपर लीक मामले में यह अब तक की दसवीं गिरफ्तारी है।

सीबीआई ने रविवार को आरोपी के ठिकानों पर छापेमारी की थी। जांच के दौरान उसके मोबाइल फोन से कथित तौर पर नीट यूजी 2026 परीक्षा का लीक प्रश्नपत्र बरामद हुआ। इसके बाद एजेंसी ने तुरंत उसे हिरासत में लेकर गिरफ्तार कर लिया। अधिकारियों का दावा है कि आरोपी संगठित पेपर लीक नेटवर्क का सक्रिय सदस्य था और प्रश्नपत्र को कई लोगों तक पहुंचाने में शामिल

मोबाइल फोन में मिला कथित प्रश्नपत्र

था। जांच एजेंसी के मुताबिक आरोपी ने अन्य लोगों के साथ मिलकर परीक्षा से पहले ही 23 अप्रैल 2026 को प्रश्नपत्र और उसके उत्तर हासिल कर लिए थे। इसके बाद विशेष क्लास और अन्य माध्यमों से पेपर फैलाने का काम किया गया। मामले में करोड़ों रुपये के लेनदेन की भी जांच की जा रही है।

सीबीआई अब तक इस मामले में 10 लोगों को गिरफ्तार कर चुकी है। एजेंसी लगातार नेटवर्क से जुड़े अन्य आरोपियों और संभावित लिंक की जांच कर रही है। अधिकारियों का कहना है कि आने वाले दिनों में इस मामले में और भी गिरफ्तारियां हो सकती हैं।

हरियाणा पुलिस में बड़ा फेरबदल, बदले कई अधिकारी

यूनिक समय, नई दिल्ली। हरियाणा सरकार ने पुलिस प्रशासन को मजबूत बनाने के उद्देश्य से बड़ा प्रशासनिक फेरबदल किया है। गृह विभाग द्वारा जारी आदेशों के अनुसार 20 आईपीएस और एचपीएस अधिकारियों के तबादले और नई नियुक्तियां की गई हैं। इस बदलाव के तहत गुरुग्राम, पंचकूला, हिसार, करनाल और स्टेट क्राइम ब्रांच जैसे महत्वपूर्ण विभागों में नए अधिकारियों की तैनाती की गई है।

सिबाश कबिराज को गुरुग्राम का नया पुलिस कमिश्नर बनाया गया है, जबकि विकास अरोड़ा को एडीजीपी प्रशासन की जिम्मेदारी दी गई है। वहीं कुलदीप सिंह को हिसार रेंज का नया आईजी नियुक्त किया गया है। करनाल रेंज, विजिलेंस और क्राइम ब्रांच में भी कई बड़े बदलाव किए गए हैं।

चीन में भूकंप से तबाही, कई इमारतें ढहीं

यूनिक समय, नई दिल्ली। चीन के दक्षिण–पश्चिमी क्षेत्र में सोमवार तड़के आए तेज भूकंप ने भारी तबाही मचा दी। ग्वांगशी प्रांत के लियूझोउ शहर में आए इस भूकंप की तीव्रता रिक्टर स्केल पर 5.2 दर्ज की गई। हादसे में अब तक दो लोगों की मौत की पुष्टि हुई है, जबकि एक व्यक्ति अब भी लापता बताया जा रहा है। प्रशासन और राहत एजेंसियां लगातार बचाव कार्य में जुटी हुई हैं। भूकंप के झटकों से इलाके में 13 इमारतें ढह गईं, जिससे कई लोग मलबे में फंस गए। राहत और बचाव दल लगातार सर्च ऑपरेशन चला रहे हैं। सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए प्रशासन ने 7000 से अधिक लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया है। हादसे में घायल हुए चार लोगों

दो लोगों की मौत की पुष्टि

7000 से ज्यादा लोग सुरक्षित निकाले गए

को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। डॉक्टरों के अनुसार सभी घायलों की हालत फिलहाल स्थिर है। राहत की बात यह रही कि भूकंप के बावजूद बिजली, पानी, गैस और संचार सेवाएं सामान्य बनी हुई हैं। भूकंप के बाद रेलवे विभाग ने ट्रेनों की आवाजाही पर सतर्कता बढ़ा दी है। रेल पटरियों और अन्य ढांचों की जांच की जा रही है, जिससे कई ट्रेनों के संचालन में देरी होने की संभावना जताई गई है।

कैंटर ने ईको कार में मारी टक्कर एक ही परिवार के पांच घायल

यूनिक समय, छाता। राष्ट्रीय राजमार्ग पर सोमवार को सड़क हादसा हो गया। कोतवाली क्षेत्र के गांव दौताना फ्लाईओवर के पास तेज रफ्तार अज्ञात कैंटर ने आगे चल रही ईको कार को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि ईको कार हवा में उछलते हुए सड़क पर चार बार पलट गई। दुर्घटना में कार पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। हादसे में कार सवार पांच लोग घायल हो गए। घायलों में दो की हालत नाजुक है।

घायलों के परिजन अशोक ने बताया कि वे सभी गोवर्धन के रहने वाले हैं। परिवार के पांच सदस्य गोवर्धन से छाता स्थित वाटर पार्क में नहाने के लिए निकले थे। छाता पहुंचने के बाद उन्होंने गोवर्धन चौराहे से गाड़ी को कोसीकलां की तरफ मोड़ दिया। हालांकि, वे हाईवे पर छाता फ्लाईओवर को पार नहीं कर सके और सेही कट की तलाश में गाड़ी को आगे बढ़ाते चले गए। जैसे ही उनकी ईको कार दौताना फ्लाईओवर के समीप पहुंची, पीछे से आ रहे एक अनियंत्रित कैंटर ने उन्हें रौंद दिया। दुर्घटना करने के बाद कैंटर चालक वाहन को मौके से भगा ले गया।

चीख–पुकार मचने से स्थानीय ग्रामीण मदद के लिए दौड़े और राहत कार्य शुरू किया। सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस भी पहुंच गई और सभी घायलों को अस्पताल भिजवाया।

हादसे में तान्या और मानवी की हालत नाजुक होने के कारण प्राथमिक अस्पताल से उन्हें हायर सेंटर रेफर किया गया है। वहीं, दीपांशु, मयंक और प्रिनशी गुप्ता को भी चोटें आई हैं।

दुर्घटना में क्षतिग्रस्त कार को उठाती क्रेन।

तेज रफ्तार ट्रक ने ली छात्र की जान

यूनिक समय,सुरीर। सुरीर चौराहे के समीप स्कूल से लौटते एक छात्र को तेज गति से आते ट्रक ने टक्कर मार दी। दुर्घटना में छात्र की मौत हो गई। हादसे से परिवार में कोहराम मच गया। गांव में शोक की लहर दौड़ गई। पुलिस ने ट्रक को कब्जे में लेकर मामले की जांच शुरू कर दी है।

सिकंदरपुर निवासी मोहन स्वरूप पुत्र किशन सिंह ठाकुर राष्ट्रीय इंटर कॉलेज सुरीर में कक्षा 11 का छात्र था। सोमवार दोपहर विद्यालय की छुट्टी के बाद वह गांव लौट रहा था। तभी सुरीर चौराहे के समीप राया की ओर से तेज गति और लापरवाही से आ रहे एक ट्रक ने उसे जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में छात्र गंभीर रूप से घायल हो गया।

घटना के बाद चालक ट्रक को छोड़कर भाग गया। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंच गई। परिजन और पुलिस घायल छात्र को तत्काल जिला अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां उपचार के दौरान उसने दम तोड़ दिया। पुलिस ने शव का पंचनामा कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

सोमवार शाम को मृतक के भाई लोकेश सिंह औरचाचा पदम सिंह निवासी सिकंदरपुर ने बताया कि मोहन स्वरूप पढ़ाई में होनहार और बेहद शांत स्वभाव का था। उसकी अचानक मौत से पूरे परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। पुलिस फरार चालक की तलाश में जुटी हुई है।

पशु चिकित्सा छात्रों का इंटर्नशिप भत्ता अब 12 हजार रुपये

प्रदेश सरकार द्वारा 12 हजार रुपये किए जाने पर खुशी जताते उत्तर प्रदेश पंडित दीनदयाल उपाध्याय पशु चिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय एवं गो–अनुसंधान संस्थान के अधिकारी और छात्र खुशी जाहिर

यूनिक समय, मथुरा। उत्तर प्रदेश सरकार ने पशु चिकित्सा शिक्षा से जुड़े छात्रों को बड़ी राहत देते हुए इंटर्नशिप भत्ते में बढ़ोतरी करने का निर्णय लिया है। मुख्यमंत्री योगी अदित्यनाथ की अध्यक्षता में हुई मंत्रिपरिषद बैठक में यह प्रस्ताव मंजूर किया गया। अब पशु चिकित्सा स्नातक पाठ्यक्रम के विद्यार्थियों को एक वर्ष की इंटर्नशिप अवधि के दौरान प्रतिमाह 12 हजार रुपये का भत्ता मिलेगा। प्रदेश में वर्तमान समय में तीन सरकारी पशु चिकित्सा शिक्षण संस्थान संचालित हैं। प्रत्येक संस्थान में हर वर्ष करीब 100 छात्र इंटर्नशिप प्रशिक्षण प्राप्त करते हैं। इस प्रकार लगभग 300 विद्यार्थियों को नई व्यवस्था का सीधा लाभ मिलेगा। इंटर्नशिप के दौरान मिलने वाला यह भत्ता विद्यार्थियों के लिए आर्थिक सहारा साबित होगा। इसकी खबर सुनते ही उत्तर प्रदेश पंडित दीनदयाल उपाध्याय पशु चिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय एवं गो–अनुसंधान संस्थान मथुरा के छात्रों ने खुशी जाहिर की। छात्रों ने कहा कि पशु चिकित्सा की पढ़ाई साढ़े पांच वर्ष का कठिन पाठ्यक्रम होती है। इसके बाद एक वर्ष की अनिवार्य इंटर्नशिप करनी पड़ती है। पशु चिकित्सा समुदाय ने राज्यपाल-कुलाधिपति आनंदीबेन पटेल,पशुपालन मंत्री धर्मपाल सिंह, राज्य सरकार और प्रशासन के प्रति आभार व्यक्त किया है।

फंदे से लटका मिला विवाहिता का शव

यूनिक समय, राया (मथुरा)। थाना राया क्षेत्र के अंतर्गत गांव कोयल में एक विवाहिता का शव फंदे से लटका मिला है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। गांव कोयल निवासी अजीत की पत्नी चन्द्रवती उर्फ कांता (23) ने किसी बात को लेकर रविवार की रात्रि फांसी का फंदा लगाकर अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली। मृतका पर एक 6 वर्षीय लड़का और तीन वर्षीय पुत्री है। पुलिस ने शव का पंचनामा भर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

ट्रेन से गिरे यात्री को आरपीएफ ने अस्पताल पहुंचाया

यूनिक समय,मथुरा। मंगला एक्सप्रेस के ई–4 कोच में यात्रा करता एक यात्री बाद और मथुरा जंक्शन केबीच ट्रेन से गिर कर गंभीर घायल हो गया। आरपीएफ ने घायल यात्री को अस्पताल में भर्ती कराया है। गाड़ी संख्या 12617 मंगला एक्सप्रेस के ई–4 कोच में यात्रा कर रहा एक यात्री बाद और मथुरा रेलवे स्टेशन के बीच चलती ट्रेन से गिर गया। इस सूचना पर गाड़ी के मथुरा जंक्शन आगमन पर आने पर रेलवे सुरक्षा बल के हेड कांस्टेबल नवल सिंह ने गाड़ी को अटेंड किया। मौके पर ऑन ड्यूटी रेलवे डॉ. शुभम भी पहुंचे। रेलवे डॉक्टर ने घायल यात्री को प्राथमिक उपचार दिया गया। यात्री के सिर में गंभीर चोट लगी हुई थी। पूछने पर बताया कि वह मथुरा बाद स्टेशनों के मध्य खंभा नंबर 1391/4– 1 के मध्य गाड़ी से गिर गया था। घायल यात्री को ट्रेन अनुरक्षण ड्यूटी में तैनात अरविंद और अजय यादव द्वारा गाड़ी में बैठाकर मथुरा तक लेकर आए। घायल व्यक्ति राजू चौधरी पुत्र बहादुर चौधरी (25) निवासी कंचनपुर, नेपाल का निवासी है , वह रत्नगिरी से मथुरा जंक्शन आ रहा था।

तमंचा- कारतूस के साथ गिरफ्तार

यूनिक समय, गोवर्धन। पुलिस ने चेकिंग के दौरान ई–रिक्शा बाइपास मार्ग पर बसुंधरा कट को जाने वाले रास्ते से अभियुक्त भीम सैन उर्फ भीमा निवासी आन्यौर को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से देशी तमंचा- कारतूस बरामद किए हैं।

गैस एजेंसी की लापरवाही पर भड़के उपभोक्ता

यूनिक समय, चौमुहां। चौमुहां ग्रामीण इंडेन गैस सर्विस की कार्यप्रणाली से उपभोक्ताओं में नाराजगी बढ़ती जा रही है। लोगों का आरोप है कि गैस बुकिंग के बाद भी समय पर सिलेंडर नहीं मिल रहे और डीएसी नंबर के लिए एजेंसी कार्यालय के चक्कर लगाने पड़ रहे हैं। सोमवार को जैत, भरतिया, पाली, भरना और देवीपुरा समेत कई गांवों के उपभोक्ता एजेंसी पहुंचे। समस्या का समाधान न होने पर हंगामे जैसे हालात बन गए, जिसके बाद पुलिस बुलानी पड़ी। मलुआ राम धनगर, दारा सिंह, राजवीर सिंह, मुनीम सिंह ने गांवों में नियमित होम डिलीवरी और ऑनलाइन व्यवस्था लागू करने की मांग उठाई।

अंतर्राष्ट्रीय संग्रहालय दिवस

संग्रहालय की धरोहरों ने छात्रों को इतिहास से जोड़ा

संग्रहालय के स्थापना दिवस के कार्यक्रमों का शुभारंभ करते हुए तीर्थ विकास परिषद के अपर मुख्य कार्यपालक अधिकारी मदन चन्द्र दुबे,उप संग्रहालय निदेशक योगेश कुमार, साथ में सहायक निदेशक डॉ. प्रतिभा द्विवेदी आदि।

यूनिक समय, मथुरा। शहर के डैंपियर नगर स्थित राजकीय संग्रहालय में सोमवार को अंतर्राष्ट्रीय संग्रहालय दिवस पर विभिन्न सांस्कृतिक-शैक्षिक कायक्रमों का भव्य आयोजन किया गया।

शुभारंभ मुख्य अतिथि तीर्थ विकास परिषद के अपर मुख्य कार्यपालक मदन चन्द्र दुबे ने मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण कर किया। संग्रहालय में छात्रों ने एक परिचय" नामक लघु फिल्म का प्रदर्शन किया गया। फिल्म के गानों के माध्यम से दर्शकों को राजकीय संग्रहालय और कान्हा की नगरी के ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और पुरातात्विक धरोहरों की जानकारी दी गई।

विभिन्न विद्यालयों के छात्र–छात्राओं के लिए "संग्रहालय : ज्ञान का वातायन" विषय पर प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन भी किया गया। विद्यार्थियों ने संग्रहालय से जुड़े ऐतिहासिक तथ्यों

सप्ताह भर चलेंगे विशेष आयोजन, छात्र–छात्राओं ने उत्साहपूर्वक लिया भाग

और संस्कृति संबंधी प्रश्नों के उत्तर देकर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। संग्रहालय के उप निदेशक योगेश कुमार ने कहा कि संग्रहालय केवल प्राचीन वस्तुओं का संग्रह भर नहीं है, बल्कि यह अतीत, वर्तमान और भविष्य के बीच एक मजबूत सेतु का कार्य करता है। संग्रहालय की सहायक निदेशक डॉ. प्रतिभा द्विवेदी ने कहा कि इस प्रकार के आयोजन विद्यार्थियों में इतिहास और संस्कृति के प्रति जागरुकता बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

इस मौके पर प्रशांत श्रीवास्तव,अनितेश वाष्णेय, डॉ. ज्योति, रचना सहित संग्रहालय के कर्मचारी आदि मौजूद रहे।

बृज सेवा फाउंडेशन संस्था ने बांटा प्रसाद

श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरित करते संस्था के पदाधिकारी।

यूनिक समय, मथुरा। पुरुषोत्तम मास के अवसर पर बृज सेवा फाउंडेशन संस्था के द्वारा सोमवार को प्रसाद ऑन व्हील सेवा का शुभारंभ जन्मभूमि स्थित किया गया। योजना के प्रभारी चंद्रशेखर ने बताया प्रसाद ऑन व्हील सेवा से आने वाले श्रद्धालुओं को प्रसाद दिया जाता है। संस्था के नीरज तायल ने बताया कि संस्था द्वारा पूरे बृज चौरासी कोस में शीतल जल और शौचालय की देखरेख व्यवस्था की योजना पर भी बृज विकास ट्रस्ट के साथ काम कर रही है। मीडिया प्रभारी आशीष गर्ग ने सभी सहयोगियों एवं सेवाभावियों का आभार व्यक्त करते हुए भविष्य में भी निरंतर सेवा कार्य जारी रखने का संकल्प लिया। इस अवसर पर राहुल बंसल,नितिन बगिया,विशाल, इति, पवन, अभय गुप्ता, रश्मि, अमित,शिखा, भारत भूषण, चारु, हेमंत, अंकुर, ऋतु, अनूप, अनीषा, गौरव, कृष्ण कुमार, मुक्ता, विपुल, गुंजन, दुर्गेश, अभिषेक कसेरे,नम्रता कसेरे, रोहित, श्वेता, तरुण, चैतन्य, रुद्राक्षी, पंकज, नेहा और योगिता उपस्थित रहे।

तीन किलोमीटर का बदहाल सड़क मार्ग बना मुसीबत

गड्ढे, जलभराव से राहगीर, विद्यार्थी और पशुपालकों को दिक्कत

बदहाल सड़क, जिससे ग्रामीण परेशान होते हैं।

रामचंद्र सोलंकी, उमाकांत वार्ष्णेय

यूनिक समय, सुरीर। सुरीर क्षेत्र की ग्राम पंचायत जरारा में सीसागढ़ी से जरारा तक करीब तीन किलोमीटर लंबी सड़क की हालत बेहद खराब हो चुकी है। सड़क पर जगह–जगह बड़े गड्ढे और टूटी सतह ग्रामीणों के लिए परेशानी का कारण बनी हुई है। ग्रामीणों का कहना है कि प्रदेश सरकार के "गड्ढा मुक्त सड़क" के दावे जमीनी स्तर पर खोखले साबित हो रहे हैं। ग्रामीणों के अनुसार, हल्की बारिश होते ही सड़क पर जलभराव हो जाता है, जिससे राहगीरों, छात्र–छात्राओं और पैदल चलने वाले लोगों को परेशानी उठानी पड़ती है। कीचड़ और पानी भरने के कारण आए दिन लोग फिसलकर चोटिल हो रहे हैं। वहीं, पशुओं के लिए भी इस मार्ग से निकलना मुश्किल हो गया है।

पशुपालकों को चारा लाने–ले जाने में दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। जरारा निवासी रामचंद्र सोलंकी ने बताया कि हारी–बीमारी की स्थिति में मरीजों को अस्पताल पहुंचाने में घंटों की देरी हो जाती है। खराब सड़क के कारण एंबुलेंस और अन्य वाहन गांव तक आसानी से नहीं पहुंच पाते है। नगला जगरूपा निवासी उमाकांत वार्ष्णेय ने बताया कि नगला रामरतन टी–पॉइंट से सीसागढ़ी तक पीडब्ल्यूडी द्वारा सीसी सड़क का निर्माण कराया जा चुका है, लेकिन सीसागढ़ी से जरारा तक का करीब तीन किलोमीटर मार्ग आज भी बदहाल स्थिति में पड़ा हुआ है। ग्रामीणों का आरोप है कि कई बार ग्राम प्रधान और संबंधित जनप्रतिनिधियों से शिकायत की गई, लेकिन अब तक केवल आश्वासन ही मिले हैं।

सड़क निर्माण की दिशा में कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया। ग्रामीण मुकेश कुमार शर्मा, प्रेमी शर्मा, पप्पू शर्मा, विनोद सिंह, जयपाल, हरीशचंद्र और रामवीर सहित अन्य लोगों ने शासन–प्रशासन से जल्द सड़क निर्माण कराने की मांग की है।

पीड़ित को लेकर सुभासपा नेता एसएसपी कार्यालय पहुंचे

यूनिक समय, मथुरा। डीग गेट पुलिस चौकी द्वारा एक महिला के परिवार के साथ हुई मारपीट के बाद भी पुलिस हमलावरों को गिरफ्तार नहीं कर रही है। हमलावर खुले आम घूम रहे हैं। इस मामले में महिला को लेकर सुभासपा के पदाधिकारी एसएसपी से मिले। नई बस्ती निवासी महिला नरगिस पत्नी किबाल का कहना है कि 11 मई की शाम को कुछ दबंग लाठी डंडों से लैस होकर उसके घर में घुस गए। हमलावरों ने परिवार के लोगों के साथ बेरहमी से मारपीट की और बेटे को गंभीर घायल कर दिया। पुलिस में शिकायत करने पर जानसे मारने की धमकी दी। डीग गेट पुलिस को शिकायत दिए जाने के बाद भी हमलावरों के खिलाफ कोई ठोस कार्रवाई नहीं की। दबंगो की धमकी से परिवार भय के साय में जी रहा है।

इस मामले में सुभासपा पार्टी के महानगर अध्यक्ष मोइनुद्दीन के नेतृत्व में पार्टी कार्यकर्ता पीड़ित महिला को लेकर एसएसपी से मिले और पुलिस कर्मियों द्वारा कार्रवाई न करने पर उनकी शिकायत की।